04 - राजनीति में सेवानिवृत्ति का नियम क्यों नहीं

05 - बादशाह खानः दुनिया के खिदमतगार सीमांत गांधी

A Daily News Magazine

भोपाल

गुरुवार, 06 फरवरी, 2025

06 - साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने पुलिस चला...

07 - सिंहस्थ मेले की डीपीआर 15 अप्रैल तक होगी तैयार

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-157 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

चुनाव विश्लेषण

पीजी मेडिकल में डोमिसाइल कोटा खत्म करने से दक्षिणी राज्य नाराज क्यों?

मृणालिनी ध्यानी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राज्य कोटे के तहत पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) मेडिकल प्रवेश में डोमिसाइल आधारित आरक्षण को रद्द कर दिया, और संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत समानता के अधिकार का उल्लंघन करने के लिए इसे 'असंवैधानिक' घोषित किया। इस फैसले ने राज्य द्वारा संचालित कॉलेजों में पीजी मेडिकल सीटों में से 50 प्रतिशत को राज्य के निवासियों के लिए आरक्षित करने की प्रथा को समाप्त कर दिया है। उदाहरण के लिए हरियाणा का एक छात्र जिसने पंजाब में एमबीबीएस पूरा किया है, वह पहले पंजाब के स्टेट कोटा (संस्थागत वरीयता) और हरियाणा के निवास कोटा दोनों के तहत पीजी सीटों के लिए पात्र था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अगर, इस तरह के आरक्षण की अनुमति दी जाती है तो यह कई छात्रों के मौलिक अधिकारों का हनन होगा, जिनके साथ केवल इस कारण असमान व्यवहार किया जा रहा है कि वह संघ में एक अलग राज्य से हैं। यह संविधान के अनुच्छेद 14 में समानता खंड का उल्लंघन होगा और कानून के समक्ष समानता से इनकार करने के बराबर होगा।÷

दूसरे शब्दों में, न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति एस.वी.एन. भट्टी की तीन न्यायाधीशों वाली पीठ ने कहा कि स्टेट कोटा की सीटें केवल नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) द्वारा निर्धारित योग्यता के आधार पर भरी जानी चाहिए। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क (IMA JDN) के नेशनल कन्वीनर डॉ ध्रुव चौहान ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने बताया कि पीजी मेडिकल एडमिशन के लिए स्टेट कोटा दो हिस्सों में विभाजित किया गया था। पहला हिस्सा 'संस्थागत वरीयता' था, जो उन स्टूडेंट्स के लिए आरक्षित था, जिन्होंने उसी राज्य से अपनी MBBS की डिग्री पूरी की थी जहां वह पोस्ट ग्रेजुएटस कोर्स के लिए आवेदन कर रहे थे। दूसरा हिस्सा 'डोमिसाइल आधारित आरक्षण' था, जहां सीटों का एक हिस्सा उन उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है जो उस विशेष राज्य के स्थायी निवासी हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने बाद वाले कोटे (डोमिसाइल) को हटा दिया, जिसमें न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने कहा, हम सभी भारत के निवासी हैं। एक देश के नागरिक और निवासी के रूप में हमारा साझा बंधन हमें न केवल भारत में कहीं भी अपना निवास चुनने का अधिकार देता है, बल्कि हमें भारत में कहीं भी व्यापार और व्यवसाय या पेशा करने का अधिकार भी देता है। यह हमें पूरे भारत में शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश लेने का अधिकार भी देता है। हालांकि, फैसला पहले से दिए जा चुके डोमिसाइल-आधारित आरक्षण को प्रभावित नहीं करता है।

2019 में दायर की गई कई याचिकाओं पर पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ में राज्य कोटे की 50 प्रतिशत सीटों के लिए आरक्षण नीति पर भी स्पष्टता दी। इसने फैसला सुनाया कि चंडीगढ़ के सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच) से एमबीबीएस पूरा करने वाले उम्मीदवार संस्थागत वरीयता के लिए पात्र हैं। इसके अलावा, जो लोग चंडीगढ़ में पांच साल तक पढ़े हैं, जिनके माता-पिता पांच साल तक वहां रहे हैं, या जिनके पास केंद्र शासित प्रदेश में अचल संपत्ति है, वह यूटी पूल के तहत अर्हता प्राप्त कर सकते हैं। उपलब्ध 64 पीजी सीटों में से 32 को संस्थागत वरीयता के आधार पर सही तरीके से आवंटित किया गया था।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के इस निष्कर्ष को बरकरार रखा कि शेष 32 सीटों को निवास मानदंड के आधार पर गलत तरीके से आवंटित किया गया था, जिससे पीजी मेडिकल एडमिशन में डोमिसाइल-आधारित आरक्षण को रद्द कर दिया गया।

कई डॉक्टरों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का समर्थन किया। अपोलो हैदराबाद के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुधीर कुमार ने कहा, अगर हम दुनिया की अग्रणी स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों के साथ प्रतिस्पर्धा करना चाहते हैं, तो यह महत्वपूर्ण है कि सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों को नीट-पीजी एंट्रेस एग्जाम में उनकी ऑल इंडिया रैंक के आधार पर उनकी पसंद के मेडिकल कॉलेजों में एमडी, एमएस, डीएम या एमसीएच कोर्स करने का मौका दिया जाए।

FAIMA डॉक्टर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सह-संस्थापक डॉ. रोहन कृष्णन ने कहा, योग्यता से कभी समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

तमिलनाडु ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का कड़ा विरोध किया, स्वास्थ्य मंत्री मा. सुब्रमण्यम ने घोषणा की कि राज्य सरकार कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श के बाद जल्द ही समीक्षा याचिका दायर करेगी। दक्षिणी राज्यों के डॉक्टरों का तर्क है कि यह फैसला क्षेत्रीय अधिकारों और सामाजिक न्याय को कमज़ोर करता है। डॉक्टर्स एसोसिएशन फॉर सोशल इक्वेलिटी (DASE) के महासचिव डॉ. जी.आर. रवींद्रनाथ ने फैसले को अत्यधिक निंदनीय और खेदजनक बताया. उन्होंने तर्क दिया कि यह संवैधानिक सिद्धांतों, सामाजिक न्याय, आरक्षण नीतियों और तमिलनाडु और अन्य राज्यों के हितों के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट का यह रुख कि कोई क्षेत्रीय या राज्य-आधारित डोमिसाइल आरक्षण नहीं होना चाहिए, देश के संघीय ढांचे के लिए हानिकारक है।

फरवरी 2024 में लोकसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत में 2023-2024 शैक्षणिक सत्र में 70 हजार 645 पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल सीटें थीं। 6.76 करोड़ की आबादी वाला कर्नाटक (यूआईडीएआई के आंकड़ों के अनुसार), 6 हजार 402 के साथ सबसे अधिक पीजी मेडिकल सीटें प्रदान करता है, इसके बाद 12.63 करोड़ की आबादी के लिए 6 हजार 43 सीटों के साथ महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर है।

चेन्नई के सरकारी कलैगनार सेंटेनरी अस्पताल के वरिष्ठ मूत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. जेसन फिलिप ने एक्स पर अपनी निराशा जताई, जिसमें उन्होंने तमिलनाडु के स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में व्यापक निवेश पर प्रकाश डाला। उन्होंने तर्क दिया कि तमिलनाडु का पीजी मेडिकल ट्रेनिंग सिस्टम यह सुनिश्चित करता है कि विशेषज्ञता हासिल करने के बाद डॉक्टर ग्रामीण और अर्ध-ग्रामीण समुदायों की सेवा करने के लिए अपने गृहनगर और गांवों में लौट आएं, इसे उन्होंने विजेता मॉडल कहा। उन्होंने बताया कि राज्य ने रोबोटिक सर्जरी, लेजर तकनीक, अत्याधुनिक ऑपरेटिंग थिएटर, निशुल्क बॉन मैरो ट्रांसप्लांट और कैडवर ट्रांसप्लांट सहित अपग्रेडेड मेडिकल इलाज का बीड़ा उठाया है।

डॉ. फिलिप ने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से दूसरे राज्यों के स्टूडेंट्स को तमिलनाडु के प्रमुख संस्थानों में ट्रेनिंग लेने की अनुमति मिल सकती है – जो तमिल टेक्सपेयर्स फंड करते हैं, लेकिन वह वहां से निकलकर अन्य जगहों पर कॉर्पोरेट अस्पतालों में प्रैक्टिस करेंगे, खासकर उन राज्यों में जिन्होंने स्वास्थ्य सेवा में बहुत कम निवेश किया है. उन्होंने इसे तमिलनाडु के संसाधनों के दुरुपयोग के बराबर बताया।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

मंत्रोच्चार के बीच पीएम मोदी ने किया कुंभ स्नान

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को प्रयागराज में संगम में डुबकी लगाई। उन्होंने भगवा रंग के वस्त्र पहन रखे थे। हाथ और गले में रुद्राक्ष की मालाएं थीं। मंत्रोच्चार के बीच मोदी ने अकेले ही संगम में डुबकी लगाई। स्नान के बाद पीएम ने सूर्य को अर्घ्य दिया। करीब 5 मिनट तक मंत्र का जाप करते हुए सूर्य पूजा की। संगम नोज पर गंगा पूजन किया। मां गंगा को दूध अर्पित किया, साड़ी चढ़ाई। संगम स्नान के बाद मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा- महाकुंभ में आज पवित्र संगम में डुबकी लगाकर मैं भी करोड़ों लोगों की तरह धन्य हुआ। मां गंगा सभी को असीम शांति, बुद्धि, सौहार्द्र और अच्छा स्वास्थ्य दें। मोदी गंगा पूजन के बाद सीधे बोट से अरैल घाट पहुंचे। वहां से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। मोदी के संगम स्नान के दौरान सीएम योगी भी साथ रहे। महाकुंभ में श्रद्धालुओं को दिक्कत न हो, इसलिए पीएम ने कार्यक्रम बेहद सीमित रखा। वह करीब दो घंटे प्रयागराज में रहे। उन्होंने किसी से मुलाकात नहीं की।

यहां तक कि दोनों डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक भी बमरौली एयरपोर्ट पर ही रहे। मोदी का विमान सुबह करीब 10.30 बजे दिल्ली से बमरौली एयरपोर्ट पहुंचा। यहां सीएम योगी आदित्यनाथ ने स्वागत किया। एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर से पीएम डीपीएस के हेलीपैड पहुंचे। यहां से उनका काफिला अरैल के वीआईपी घाट पहुंचा। वहां से योगी के साथ बोट से संगम पहुंचे। पीएम के दौरे को देखते हुए मेले की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी।

सुप्रभात

नहीं लौट पाते कभी जाने वाले,
भले कोई कितने ही आँसू बहा ले।
सभी फर्ज़ हैं अब मेरे ही हवाले,
कहूं कैसे मौला कि मुझको उठा ले।
निभे जिस तरह भी तू वैसे निभा ले,
ये दिल ने कहा बच सके जो बचा ले।
यहां सब ही सदमे में आते नज़र हैं,
किसी के भी मुंह तक न जाते निवाले।
खड़े हैं जो मंजिल पे देखा सभी ने,
कहां देख पाए वो पांव के छाले ।
इन अपनों को अपना कहूँ किस तरह मैं
भुला सब ही एहसान इल्ज़ाम डाले ।
खुशी-ग़म में 'रजनी' नहीं होते शामिल
यहां लोग ऐसे भी कुछ हैं निराले।

- रजनी टाटस्कर

मुख्यमंत्री ने मेधावी स्कूली विद्यार्थियों को ई-स्कूटी सौंपी

मेरिट के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और संस्कारों का अनुसरण जीवन में सफलता के लिए आवश्यक: सीएम डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जीवन में सफलता के लिए योग्यता के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और संस्कारों का अनुसरण आवश्यक है। मेरिट में आए विद्यार्थी यदि अपनी योग्यता का उपयोग केवल स्वयं के लिए करेंगे तो उनकी प्रतिभा का लाभ समाज को नहीं मिल पाएगा। नैतिक मूल्यों का अनुसरण करते हुए सबके हित और सबके सुख का ध्यान रखकर किए गए कार्य न केवल समाज अपितु राष्ट्र की प्रगति में विद्यार्थियों के योगदान का मार्ग प्रशस्त करेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व का सबसे महान देश बनने के मार्ग पर अग्रसर है। ऐसे में मेरिट में आए विद्यार्थी अपनी योग्यता, क्षमता और निपुणता से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर समाज हित और देश की उन्नति में हरसंभव योगदान दें। लक्ष्य प्रगति में ही उनकी श्रेष्ठता सही अर्थों में सिद्ध होगी और भारत को प्रगति पथ पर अग्रसर करने में सार्थक योगदान दे सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मेधावी विद्यार्थियों को ई-स्कूटी वितरण के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्री राम, भगवान श्रीकृष्ण, सम्राट विक्रमादित्य, पन्ना-धाय के उद्धरण देते हुए कहा कि अद्भुत क्षमता और सामर्थ्य के साथ नैतिक मूल्यों पर अडिग रहने के उदाहरणों ने ही इन महान विभूतियों के जीवन को आदिकाल से वर्तमान तक अनुकरणीय बनाया है। अंग्रेजी साम्राज्य का जब सूर्य अस्त नहीं होता था तब नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने अपनी योग्यता और क्षमता के आधार पर विश्व में अपनी सामर्थ्य के उदाहरण प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर चुनौती और कठिन समय का धैर्य और साहस के साथ सामना करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

पुण्य देह दान

स्वर्गीय श्रीमती उषा भंडारी

जन्म- 18.03.1939 देहावसान- 05.02.2025

भंडारी परिवार के अनेक प्रतिमानों को गढ़ने वाली हमारी प्रेरणा-स्रोत और हमारी सफलताओं की उत्प्रेरक हमारी मां, सबकी मां श्रीमती उषा भंडारी पत्नी स्वर्गीय सैंतानमलजी भंडारी बुधवार दिनांक 5 फरवरी, 2025 के दिन हमारे बीच नहीं रही... इस दैवयोग के आगे हम नतमस्तक हैं। लेकिन जिंदगी में कभी हार नहीं मानने के उनके सबक के साथ वो हमारी भाव-भूमि में हमेशा शाश्वत बनी रहेंगी...। आजीवन शिक्षक के रूप में वो अनगिनत छात्र- छात्राओं को ज्ञान से शिक्षित और संस्कारों से दीक्षित करती रहीं। उनकी यही मंशा थी कि उनकी देह भी शिक्षा के काम में आए। तद्नुसार श्रीअरविंदो मेडिकल कॉलेज के छात्रों को शिक्षित करने के लिए उन्होंने देह-दान का संकल्प लिया था।

देह-दान के पूर्व हम सबकी मां के

अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि

दिनांक 6 फरवरी 2025 को प्रातः 9 से 11 बजे तक होगा ।
स्थान- श्री अरविंदो मेडिकल कॉलेज, सांवेर-उज्जैन रोड परिसर, इंदौर

पुण्य स्मरण सभा

दिनांक 7 फरवरी 2025 समय - प्रातः 9 से 11 बजे तक
स्थान - कम्युनिटी हॉल, क्लर्क कॉलोनी, परदेशीपुरा, इंदौर

शोकाकुल

डॉ. विनोद भंडारी - डॉ. श्रीमती मंजुश्री भंडारी
डॉ. मोहित भंडारी - डॉ. श्रीमती शिल्पा भंडारी
डॉ. महक भंडारी - डॉ. श्रीमती श्वेता भंडारी
श्रीमती मधुलिका जैन - श्री अनिल जैन
डॉ. प्रियंका (भावना) अग्रवाल - डॉ. विजय अग्रवाल
डॉ. अर्जुन जैन - डॉ. अदीति जैन
मनवी, युवान एवं कबीर भंडारी

नोट- भंडारी परिवार मानता है कि हमारी माँ अपने प्रेरक स्वरूप में हमेशा हमारे बीच मौजूद रहेंगी। अतएव उठावना या अन्य रस्में नहीं होंगी।

दिल्ली में बंपर वोटिंग, उत्साह में थे मतदाता

सीलमपुर में एएपी-बीजेपी समर्थक आपस में भिड़े

भाजपा का आरोप, बोली-बुर्के में फर्जी वोटिंग हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए बुधवार को जमकर वोटिंग हुई है। सबसे ज्यादा मतदान नार्थ-ईस्ट दिल्ली में हुआ। यह भाजपा सांसद मनोज तिवारी का संसदीय क्षेत्र है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, एलजी वीके सक्सेना, विदेश मंत्री एस जयशंकर, मुख्यमंत्री आतिशी और राहुल गांधी वोट डाल चुके हैं। इसके अलावा प्रियंका गांधी ने मां सोनिया और पति- बेटे के साथ वोट डाला। अरविंद केजरीवाल अपने माता-पिता को व्हीलचेयर पर लेकर वोट डालने पहुंचे। भाजपा ने आरोप लगाया है कि सीलमपुर में बुर्के में महिलाओं से फर्जी मतदान करवाया जा रहा है।

दिल्ली चुनाव

10 एग्जिट पोल में से 8 में भाजपा की सरकार

2 एग्जिट पोल में एएपी की सरकार का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के 10 एग्जिट पोल आए हैं। 8 में भाजपा को बहुमत मिलता दिखाई दे रहा है। 2 में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने का अनुमान है। अगर भाजपा को बहुमत मिलता है तो वो 27 साल बाद सत्ता में लौटेगी। इससे पहले 1993 में भाजपा दिल्ली की सत्ता में आई थी। एग्जिट पोल के पोल ऑफ पोल्स में भाजपा को 39, एएपी को 30 और कांग्रेस को एक सीट मिलने का अनुमान है। जेवीएस और पोल डायरी ने अपने एग्जिट पोल में अन्य को भी 1-1 सीट मिलने का अनुमान जताया है। चुनाव के नतीजे 8 फरवरी को घोषित होंगे। सरकार बनाने के लिए 36 सीटों की जरूरत है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 22 °c | न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार,06 फरवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर बीएसएफ और घुसपैठियों में झड़प

बंगाल के दिनाजपुर में हुए हमले में एक जवान घायल

कोलकाता/दिसपुर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स पर की सीमा पार से आने वाले घुसपैठियों ने झड़प हुई। सुरक्षाबलों ने घुसपैठ को नाकाम किया। हालांकि झड़प के दौरान एक जवान घायल हुआ।एक घुसपैठिया भी गिरफ्तार किया गया है। घटना दक्षिण दिनाजपुर जिले में बॉर्डर से लगे मलिकपुर

गांव में 4-5 जनवरी की रात में हुई। डकैती और स्मगलिंग की वारदातों को अंजाम देने वाले गैंग के कई लोग बांग्लादेश से भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। रात में पेट्रोलिंग कर रहे बीएसएफ जवानों ने घुसपैठ कर रहे बदमाशों को खदेड़ा था। इसी दौरान उन लोगों ने जवानों पर हमला कर दिया। बीएसएफ ने भी जवाबी कार्रवाई की। बदमाशों में टीम की गाड़ी भी छीनने की कोशिश की। इसी दौरान बदमाशों ने धारदार हथियारों से टीम पर हमला किया।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर में लगी आग

महाकुंभ में हुए हादसे में 2 टेंट जलकर खाक

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर में आग लग गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सेक्टर 12 में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर में सुबह 7 बजे यह हादसा हुआ। हादसे में दो टेंट जल गए। हालांकि किसी भी तरह की जान-माल की हानि नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शिविर के पश्चिमी हिस्से में आग लगने की घटना हुई। इसमें 2 टेंट राख हो गए। उसी

समय पूर्वी हिस्से में साधु कुटिया से भी धुआं निकलता नजर आया। घटना के वक्त वहां एक महिला मौजूद थी। उसको सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना में कई सामान जलकर राख हो गए। आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड की एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने आग पर काबू पाया। अभी तक जो सूचना मिली है, उसके अनुसार इलेक्ट्रिक केतली में शॉर्ट सर्किट की वजह से हादसा हुआ है। प्रशासनिक लोग मौके पर पहुंच गए थे। दूसरी तरफ शंकराचार्य शिविर से जुड़े हुए लोगों ने साजिश की आशंका जताई है।

तिरुपति में हिंदू आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं !

● तिरुपति मंदिर से हटाए गए 18 गैर-हिंदू कर्मचारी

तिरुपति (एजेंसी)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने अपने धार्मिक नियमों का उल्लंघन करने पर 18 कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। इन कर्मचारियों पर हिंदू परंपराओं का पालन न करने और गैर-हिंदू धार्मिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। टीटीडी बोर्ड के अध्यक्ष बीआर नायडू के नेतृत्व में पहले ही यह स्पष्ट किया गया था कि केवल हिंदू कर्मचारी ही देवस्थानम में कार्य कर सकते हैं लेकिन जांच के दौरान इन 18 कर्मचारियों को गैर-हिंदू परंपराओं का पालन करते हुए पाया गया, जिसके चलते उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। टीटीडी बोर्ड के प्रस्ताव के अनुसार, इन कर्मचारियों को तिरुमला के मंदिरों और इससे संबंधित विभागों से हटा दिया जाएगा। साथ ही, उन्हें किसी भी हिंदू धार्मिक आयोजन या अनुष्ठान में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी। बोर्ड ने इन कर्मचारियों को दो विकल्प दिए हैं या तो वे किसी सरकारी विभाग में ट्रांसफर के लिए आवेदन करें या फिर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के तहत संस्थान से रिटायर हो जाएं। यदि वे इन दोनों में से किसी भी विकल्प को स्वीकार नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ और सख्त कार्रवाई की जाएगी। टीटीडी द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया, टीटीडी अध्यक्ष बीआर नायडू के निर्देशानुसार,उन कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है जो गैर-हिंदू गतिविधि में शामिल हैं।

जम्मू और कश्मीर तक आ पहुंचा हमास वाला खतरा

● पीओके में जैश और लश्कर भी साथ, अलर्ट पर एजेंसियां

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के लिए दहशतगर्द संगठन एकजुट होते दिख रहे हैं। उनकी आतंक की एक नई उठाने की तैयारी है, जिससे खुफिया एजेंसियां अलर्ट पर हैं। खुफिया जम्मू-कश्मीर को लेकर रच रहा है। उसकी धरती पर न सिर्फ जैश और लश्कर जैसे आतंकी संगठन मजबूत हो रहे हैं बल्कि फिलिस्तीन का उग्रवादी समूह हमास भी जड़ें मजबूत कर रहा है। खुफिया एजेंसिया का

सूत्रों के अनुसार पीओके में कार्यक्रम भी होना है, जिसे हमास के टॉप कमांडर द्वारा संबोधित किया जाना है। इस आयोजन में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी शामिल होंगे और इसमें हमास के प्रवक्ता खालिद कद्दूमी का भाषण होगा। इससे पता चलता है कि पाकिस्तान कितनी बड़ी साजिश कहना है कि पाकिस्तान इसके जरिए जम्मू-कश्मीर के मसले का अंतरराष्ट्रीयकरण करना चाहता है। उसकी कोशिश यह संदेश देने की है कि फिलिस्तीन और कश्मीर एक जैसे मसले हैं और दोनों स्थानों पर मुस्लिमों का उत्पीड़न हो रहा है। इन दोनों स्थानों की समानता बताते हुए वह अकसर इस्लामिक दुनिया से साथ देने की अपील करता रहा है।

उदारवादी पश्चिमी विचारों से देश को है भारी खतरा

● संघ सरकार्यवाह होसबाले ने कहा-दिमाग में ये घर कर गए तो नई पीढ़ी बर्बाद हो सकती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने बुधवार को कहा कि देश में अलग-अलग तरीकों से पश्चिमी उदारवादी विचारों का प्रभाव बढ़ रहा है। इससे देश की सांस्कृतिक पहचान को खतरा पैदा हो रहा है। उन्होंने लोगों से जागरुक होकर इस खतरे को रोकने की अपील की।

उन्होंने कहा कि मैं बहुत गंभीर बात कह रहा हूं। एक बार नई जेनरेशन के दिमाग में पश्चिमी विचारधारा घर कर गया, तो वो जेनरेशन बर्बाद हो जाएगी। हमारी सांस्कृतिक पहचान खत्म हो जाएगी। यह बहुत ही गंभीर बात है जिसे लेकर हमें सचेत रहने की जरूरत है। हमें ये भी देखना होगा कि इन्हें यहीं रोक दिया जाए। दत्तात्रेय होसबाले ने ये बातें हू इज रेजिंग

यॉर चिल्ड्रन ब्रेकिंग इंडिया विद यूथ वॉरियर्स किताब के लॉन्च पर कहीं। इस किताब को राजीव मल्होत्रा और विजया विश्वनाथन ने लिखा है।

होसबाले बोले-

वोकिज्म समाज को गुलाम बनाने की नई रणनीति

होसबाले ने कहा कि वोकिज्म अब कई तरीकों से हमारे समाज में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि यह गुलाम बनाने की नई रणनीति है, जिसके तहत लिबरेलाइजेशन और ग्लोबलाइजेशन के नाम पर सभी सांस्कृतिक पहचान और सभ्यताओं को एक जैसे रंग में रंगने और एक ही ढांचे में बांधने की कोशिश की जा रही है। होसबाले ने कहा कि देश की सामाजिक और सांस्कृतिक सीमाएं अब कमजोर हो रही हैं। हमारी सीमाओं की सुरक्षा के लिए सेना है, लेकिन हमें अपनी सांस्कृतिक सीमाओं को भी सुरक्षित रखना होगा।

अमेरिका ने 104 भारतीयों को जबरन भारत भेजा

● इनमें पंजाब के 30, हरियाणा-गुजरात के 33-33 लोग

● अमरीकी एयरफोर्स का विमान इन्हें लेकर अमृतसर पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी सी-147 प्लेन से अवैध प्रवासी भारतीयों का पहला जत्था भारत पहुंचा। इस प्लेन में 104 भारतीय सवार हैं। अमेरिका से निर्वासित भारतीय अप्रवासियों को लेकर एक सैन्य विमान बुधवार दोपहर अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। विमान में निर्वासित व्यक्तियों में 25 महिलाएं, 12 नाबालिग और 79 पुरुष शामिल हैं। निर्वासित भारतीय नागरिकों के अलावा, विमान में 11 चालक दल के सदस्य और 45 अमेरिकी अधिकारी सवार हैं। पंजाब के साथ ही निर्वासित लोग हरियाणा, गुजरात, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से हैं। निर्वासित लोगों में 33 गुजरात के हैं, 30 पंजाब के हैं जबकि दो-दो निर्वासित उत्तर प्रदेश और चंडीगढ़ से हैं और तीन महाराष्ट्र से हैं। जानकारी के मुताबिक, अमेरिका से डिपोर्ट कर लाए गए भारतीयों को मेक्सिको-अमेरिकी सीमा से पकड़ा गया था। कहा जा रहा है कि ये भारत से वैध तरीके से रवाना हुए थे लेकिन इन्होंने डंकी रूट के जरिए अमेरिका में घुसने की कोशिश की थी। पंजाब पुलिस ने एयरपोर्ट पर सुरक्षा बढ़ा दी है। पंजाब सरकार ने कथित तौर पर लोगों को उनके राज्य में वापस उनके घर पहुंचाने के लिए मिनी बसों का इंतजाम किया है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ बैठक में यह फैसला लिया गया कि निर्वासितों की सहायता के लिए एयरपोर्ट पर काउंटर लगाए जाएंगे। राज्य पुलिस लगातार केंद्र सरकार के संपर्क में है और निर्वासितों के पिछले आपराधिक रिकॉर्ड को मौके पर ही खंगालेगी।

देश में जल्द खत्म होने वाला है टोल टैक्स !

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार टोल से भी जल्द ही बड़ी राहत देने जा रही है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ऐसे संकेत दिए हैं। हाल ही में एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया है कि टोल को लेकर सभी की 'शिकायतें' खत्म होने वाली हैं। खास बात है कि सरकार ने बजट 2025 में 12 लाख रुपये की आय पर कोई इनकम टैक्स नहीं लगाकर बड़ी राहत का ऐलान किया था। एनडीटीवी से बातचीत में गडकरी से जब टोल से राहत को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, जल्द ही मिल जाएगी। उन्होंने कहा, हमारा अध्ययन पूरा हो गया है। हम जल्द ही ऐसी स्कीम लाएंगे कि सभी लोगों को टोल से एक प्रकार से तकलीफें खत्म हो जाएंगी। हालांकि, उन्होंने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया, लेकिन कहा,पर मैं जल्द ही स्कीम जारी करके इसे खत्म करूंगा। उन्होंने कहा, मेरे भी बहुत कार्टून निकलते हैं।

सोशल मीडिया पर लोग ट्रोल करते हैं। टोल को लेकर लोग नाराज ही हैं। मैं बस इतना ही कह सकता हूं आने वाले कुछ ही दिनों में यह नाराजगी दूर हो जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने टोल कलेक्शन के तरीके में भी बदलाव के संकेत दिए हैं।

बिहार वाली नहीं, तेलंगाना वाली जाति जनगणना करवाएंगे

● राहुल गांधी ने पटना में इतिहास पर उठाया सवाल, कहा- दलितों के बारे में सिर्फ दो लाइन

पटना (एजेंसी)। 19 दिन में दूसरी बार बुधवार को पटना पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार की जातीय गणना पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, हम बिहार वाली जातीय गणना नहीं करवाएंगे। अगर देखना है तो तेलंगाना वाली जाति जनगणना देखिए। श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में स्वतंत्रता सेनानी जगलाल चौधरी की जयंती समारोह में 15 मिनट के भाषण में कांग्रेस नेता ने दलितों को हक दिलाने का वादा किया। उन्होंने कहा कि हमने इतिहास की किताब में दलितों के बारे में सिर्फ दो लाइन पढ़ी हैं। दलित और अछूत। उन्होंने मोदी सरकार पर दलितों, पिछड़ों और अतिपिछड़ों की हकमारी करने का आरोप लगाया। बोले, संस्थानों में हक दिलाने का पहला कदम जाति जनगणना है। इसको हम कराएंगे। इससे पहले 18 जनवरी को बिहार दौरे पर आए राहुल गांधी ने बिहार की जाति जनगणना (सर्वे) को फर्जी करार दिया था। कांग्रेस नेता ने कहा- हमने इतिहास

की किताब में दलितों के बारे में सिर्फ दो लाइन पढ़ी हैं। दलित और अछूत। आपका कोई इतिहास नहीं है क्या। दो लाइन से आपका दर्द मिट जाएगा क्या। राहुल गांधी ने कहानी सुनाई।

● **हम चाहते हैं- दलित समुदाय के लोग लीडरशिप में आएं** - राहुल गांधी ने हाथ में संविधान की किताब दिखाकर कहा, आरएसएस और बीजेपी वाले संविधान के सामने माथा टेकते हैं। पीछे इसे खत्म करने की साजिश कर रहे हैं। मैं चाहता हूं कि दलित समुदाय के लोग लीडरशिप में आएं। देश के टॉप-10 कंपनियों के मालिक में दलित भी हो। मोदी दलितों-पिछड़ों की जेब से पैसा निकालकर 25 लोगों का 16 लाख करोड़ रुपया माफ किया, इस लिस्ट में एक भी दलित नहीं है। मीडिया में दलितों की भागीदारी नहीं।

मैदानी राज्यों में गर्मी बढ़ी, एमपी में पारा 30 पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। फरवरी के पहले ही हफ्ते में मैदानी राज्यों में मौसम तेजी से बदल गया है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश में पारा 30 डिग्री से 35 डिग्री तक पहुंच गया है। छत्तीसगढ़ के रायपुर में सबसे ज्यादा 36 डिग्री पारा रिकॉर्ड किया गया। हालांकि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड आज बारिश और बर्फबारी का अलर्ट है। मनाली में 4 इंच बर्फ गिर चुकी है। बर्फबारी के चलते अटल टनल में ट्रैफिक रोक दिया गया है। उत्तर प्रदेश में 72 साल में पहली बार फरवरी में पारा 30 डिग्री पार कर गया है लेकिन अगले 2-3 दिन में पश्चिमी विक्षोभ के असर से चलते कुछ इलाकों में बारिश होने की संभावना है। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा में

● रायपुर में 36 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ, अटल टनल में यातायात बंद

आने वाले दिनों में बारिश हो सकती है। जिससे तापमान में 2-3 डिग्री की कमी आएगी। ओडिशा, बंगाल, सिक्किम में

कोहरा रह सकता है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण राज्य में कई जिलों में हल्की बारिश के बाद सर्दी बढ़ गई। तापमान 2 डिग्री तक गिर गया।

8 फरवरी तक प्रदेश में उत्तरी हवा के असर से तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट होने की संभावना है। राज्य में 2 दिन से बारिश वाला मौसम है। नीमच में बूंदाबांदी के बाद मंगलवार को ग्वालियर-चंबल में आंधी और हल्की बारिश का दौर रहा। बाकी जिलों में मौसम साफ रहा। बुधवार से दिन-रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट हो सकती है। यूपी में फरवरी में गर्मी ने 72 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इससे पहले, 1952 में फरवरी के पहले हफ्ते में तापमान 30 डिग्री दर्ज किया गया था। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बारिश के बाद ठंड बढ़ गई है। 26 जिलों में सुबह घना कोहरा छाया रहा। 27 जिलों में बारिश का अलर्ट है। राज्य में बारिश के आसार हैं। कई जिलों में ठंडी हवाएं चलने की संभावना है।

कारपेंटर ने फांसी लगाई, मौत

किराए के मकान में अकेला रहता था युवक मामले की जांच में जुटी पुलिस

भोपाल (नप्र)। ऐशबाग थाना इलाके में रहने वाले युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। वह मूल रूप से हरदा का रहने वाला था। सुभाष कॉलोनी में अकेला किराए के कमरे में रहता था। घटना मंगलवार देर रात की है। बुधवार को हमीदिया अस्पताल की मर्चुरी में पीएम कराया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

विनोद विश्वकर्मा (42) पिता हरनारायण विश्वकर्मा, निवासी डी सेक्टर सुभाष कॉलोनी अशोका गार्डन कारपेंटरी का काम करता था। अविवाहित था, मंगलवार देर रात उसने अपने कमरे में फांसी लगा दी। पड़ोसी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। घटना स्थल पर पुलिस को बना हुए खाना भी मिला है।

विनोद आठ साल से भोपाल में किराए का कमरा लेकर रह रहा था। एसआई ओमकार सिंह ने बताया कि घटना स्थल से सुसाइड नोट मिला है। सुसाइड नोट में क्या लिखा है राइटिंग समझ नहीं आ रही है। इसी के साथ सुसाइड नोट पके हुए खाने के करीब रखा था, जो पानी लगने के कारण गीला होने से गल भी चुका था। एक्सपर्ट्स से नोट की जांच कराई जाएगी।

उमा भारती बोलीं- चेक पोस्ट घोटाला गंभीर मसला

देखें जांच एजेंसियां इसे कहां खत्म करती हैं, कटारे का ट्वीट-नियुक्ति कैसे हुई जांच वहीं से हो

भोपाल (नप्र)। परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और उसके दो सहयोगी शरद जायसवाल, चेतन सिंह गौर को लोकायुक्त कोर्ट ने 17 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। ईडी आरोपियों से पूछताछ कर रही है। इस मामले में पूर्व सीएम उमा भारती ने अब असल आरोपियों को पकड़कर सजा दिलाने की मांग की है।

पूर्व सीएम उमा भारती ने ट्वीट कर लिखा- चेक पोस्ट घोटाले के आरोपी पकड़े गए हैं। अगर जांच में कहीं यह साबित होता है कि इन्होंने अकेले ही यह घोटाले किए हैं तो फिर गहराई में जाने पर यह घोटाला एक गंभीर मसला हो सकता है।

जांच एजेंसियों के लिए परीक्षा की घड़ी

उमा भारती ने लिखा- जांच एजेंसियां की दक्षता एवं निष्पक्षता पर लोगों को विश्वास है। अब उन जांच एजेंसियों के लिये यह परीक्षा की घड़ी है कि वह यह बात यहीं खत्म कर देते हैं या गहराई में जाकर असली महा अपराधियों को पकड़ कर, प्रमाण जुटा कर उन्हें कठोरतम दंड दिला लेते हैं।

नेता प्रतिपक्ष बोले- खोदा पहाड़ निकली चुहिया

सौरभ शर्मा के मामले पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा-सौरभ शर्मा मामले में लग रहा है कि खोदा पहाड़ और निकली चुहिया। बड़े मगरमच्छ कहाँ गए ? जांच में इतनी चीजें सामने आईं उसपर संज्ञान क्यों नही लिया जा रहा है? क्या इसमें मंत्री इन्वॉल्व नहीं है ? इसकी जांच करनी चाहिए। सरकार इतने घोटाले कर रही है कि वो चाहती ही नहीं कि सदन में श्वेतपत्र और लोकायुक्त प्रतिवेदन चर्चा में आए।

भोपाल सीएमएचओ प्रभाकर तिवारी को नोटिस

डॉक्टरों की नियुक्ति के मामले में नोटिस मिला एनएसयूआई ने लगाए आरोप

भोपाल (नप्र)। भोपाल के सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी को संचालनालय लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह नोटिस मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम 1966 के तहत जारी किया गया है। जिसमें डॉ. तिवारी पर कार्य में लापरवाही और अपने दायित्वों के निर्वहन में असफल रहने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि डॉ. तिवारी ने विभाग को गलत जानकारी देकर डॉ. प्रांजल खरे की अवैध नियुक्ति करवाई। बाद में जब विभागीय जांच के बाद उनकी नियुक्ति निरस्त कर दी गई। तब भी उन्हें नियमित भुगतान किया जाता रहा, जो पूरी तरह नियम विरुद्ध था। इसके अलावा, डॉ. तिवारी ने अपनी पत्नी डॉ. प्रज्ञा तिवारी को ह॥रूमें प्रभारी संचालक बनवाया, जबकि उनके खिलाफ विभाग में सैकड़ों शिकायतें लंबित हैं।

नोटिस में यह- वरिष्ठ संयुक्त संचालक डॉ. राजू निदारिया ने यह नोटिस दिया है। इसमें कहा गया कि डॉ. खरे का निरस्ती आदेश जारी किए जाने के बाद भी डॉ. तिवारी द्वारा नियम विरुद्ध संबंधित से निरंतर कार्य कराया जाना और उनका नियमित रूप से वेतन आहरण किया जा रहा है। आपके द्वारा त्रुटिपूर्ण जानकारी दिए जाने के कारण डॉ. प्रांजल खरे का नाम नियुक्ति निरस्त आदेश सूची में अंकित हुआ। इस प्रकार आदेशों की अवहेलना और वित्तीय अनियमितता की गई है। जिस पर आयुक्त ने अप्रसन्नता जाहिर की है। ऐसे में सीएमएचओ के दायित्व का निर्वहन करने में आप अक्षम साबित हुए। इससे विभाग की छवि भी धूमिल हुई है।

राज्य निर्वाचन आयुक्तों की 31वीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस सिवनी में

भोपाल (नप्र)। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने बताया हैकि विभिन्न राज्यों के राज्य निर्वाचन आयुक्तों की 31वीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस पेंच जिला सिवनी में एक से 4 मार्च तक आयोजित की जायेगी। इस कॉन्फ्रेंस में लगभग 25 राज्यों के राज्य निर्वाचन आयुक्त शामिल होंगे। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री श्रीवास्तव ने बताया है कि कॉन्फ्रेंस में विभिन्न राज्यों के राज्य निर्वाचन आयुक्त स्थनीय निकायों के निर्वाचन के दौरान आयीं चुनौतियों तथा उनसे निपटने के उपायों पर चर्चा करेंगे। साथ ही नवाचारों और सुधारों से भी अवगत करायेंगे। इस दौरान स्थानीय निकायों के निर्वाचन में नई तकनीकों के उपयोग पर भी चर्चा होगी।

ड्रोन तकनीक से फसलों के उत्पादन में होगी वृद्धि

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में मध्यप्रदेश ड्रोन संवर्धन एवं उपयोग नीति-2025 की स्वीकृति प्रदान की गई है। ड्रोन तकनीक से खेतों की सटीक स्थिति का मूल्यांकन हो सकेगा, जिससे फसलों के उत्पादन में वृद्धि होगी। फसलों में बीमारी, कीट और पर्यावरणीय प्रभावों की शीघ्र पहचान की जा सकेगी। इससे जल का कुशल उपयोग, जल संरक्षण में वृद्धि और सिंचाई लागत में कमी आएगी। ड्रोन से कृषि उत्पादकता और फसलों की गुणवत्ता में सुधार होगा।

किसानों को ड्रोन प्रौद्योगिकी से नई कृषि पद्धतियों का लाभ

आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम निवेश का नया केंद्र बन रहा है मध्यप्रदेश: मुख्यमंत्री

आईटी, आईटीइएस और ईएसडीएम सेक्टर की बड़ी कम्पनियां होंगी जीआईएस-2025 में शामिल

भोपाल(नप्र)। सूचना प्रौद्योगिकी अब केवल एक सेक्टर नहीं, बल्कि हर उद्योग की आधारभूत आवश्यकता बन चुका है। स्वास्थ्य से लेकर कृषि, शिक्षा, उद्योग सहित हर क्षेत्र में आईटी की महत्वपूर्ण भूमिका है। मध्यप्रदेश इस बदलाव का केंद्र बन रहा है, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टार्ट-अप्स और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी मिलकर नए अवसरों को जन्म दे रहे हैं। राज्य सरकार की आईटी और ईएसडीएम नीति, डेटा सेंटर पार्क, आईटी पार्क्स और इनक्यूबेटर्स के विकास ने मध्यप्रदेश को तकनीकी निवेश के लिए आकर्षक स्थान बनाया है। इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर जैसे शहर आईटी कंपनियों के नए केंद्र बन रहे हैं। टीसीएस, इनफोसिस, यश टेक्नॉलोजीज, इंपीट्स जैसी कंपनियाँ यहां अपनी उपस्थिति दर्ज कर चुकी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 24-25 फरवरी को भोपाल में होने वाली जीआईएस में आईटी, आईटीइएस और ईएसडीएम सेक्टर की बड़ी कम्पनियां शामिल होंगी। जिससे मध्यप्रदेश इस सेक्टर में भी नई ऊँचाईयों को प्राप्त करेगा।

डिजिटल इंडिया मिशन के साथ कदम मिलाकर मध्यप्रदेश अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, बिग डेटा, ब्लॉक-चेन और साइबर सिक्योरिटी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। आज आईटी सेक्टर ही नहीं बल्कि मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर, लॉजिस्टिक्स और एग्रीटेक सेक्टर में भी तकनीकी नवाचार हो रहे हैं। राज्य में 15 आईटी पार्क और 5 आईटी स्पेशल इकोनॉमिक जोन पहले से कार्यरत हैं और आने वाले वर्षों में इंदौर में क्रिस्टल आईटी पार्क-3 और 4, 50 एकड़ में डेटा सेंटर पार्क, जबलपुर में 1 लाख वर्गफुट का आईटी टॉवर और कई अन्य परियोजनाएँ डिजिटल विकास को नई गति देंगी। मध्यप्रदेश केवल आईटी निवेश के लिए नहीं, बल्कि वर्क-लाइफ बैलेंस, किफायती ऑपरेशनल लागत और सरकारी सहयोग के कारण भी स्टार्ट-अप्स और आईटी कंपनियों के लिए एक आदर्श स्थान बन रहा है।

मध्यप्रदेश अपने रणनीतिक स्थान, निवेश-अनुकूल नीतियों और अत्याधुनिक अवसंरचना के कारण तेजी से आईटी, आईटीईएस (इन्फोर्मेशन टेक्नॉलोजी इनेबल्ड सर्विसेज) और ईएसडीएम (इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिज़ाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग) के लिए एक प्रमुख हब बन रहा है। भोपाल में 24-25 फरवरी को होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस-2025) में इस क्षेत्र में निवेश की व्यापक संभावनाओं को प्रस्तुत किया जाएगा। मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति इसे पूरे देश के बाजारों तक सीधा और सुगम संपर्क प्रदान करती है। राज्य में 6 प्रमुख हवाई अड्डे और 6 इनलैंड कंटेनर डिपो मौजूद हैं, जिससे वैश्विक व्यापार को गति मिलती है। प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों और समर्पित फ्रेट कॉरिडोर से जुड़ा यह राज्य लॉजिस्टिक्स और परिवहन के लिए भी अनुकूल है। वर्तमान में 1 मिलियन वर्गफुट आईटी स्पेस उपलब्ध है, और 5 लाख वर्गफुट का नया आईटी अवसंरचना निर्माण कार्य जारी है। राज्य में डेटा सेंटर पार्क (50 एकड़) विकसित किया जा रहा है, जिससे एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग और बड़े डेटा केंद्रों की स्थापना को बढ़ावा मिलेगा।

साथ ही, इंदौर में क्रिस्टल आईटी पार्क 3 और 4 विकसित किए जा रहे हैं, जिससे नई आईटी कंपनियों के लिए बेहतरीन अवसर खुलेंगे। एलटीआई माइंड ट्री इंदौर में ?800 करोड़ रूपये का निवेश कर रहा है और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड रक्षा अनुसंधान एवं विकास के लिए उभरती तकनीकों का एक केंद्र स्थापित कर रहा है।

ग्वालियर फिल्म फेस्टिवल का आयोजन 8-9 मार्च को

भोपाल में फेस्टिवल के पोस्टर का विमोचन

भोपाल। सतपुड़ा चलचित्र समिति और विश्व संवाद केंद्र, मध्यप्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में 8-9 मार्च को ग्वालियर में 'ग्वालियर फ़िल्म फेस्टिवल' का आयोजन किया जा रहा है। फेस्टिवल के पोस्टर का विमोचन 5 फरवरी को भोपाल में किया गया। इस अवसर पर प्रख्यात अभिनेता संजय मेहता, फ़िल्म समीक्षक विनोद नागर और सतपुड़ा चल चित्र समिति के अध्यक्ष लाजपत आहूजा उपस्थित रहे।

इस अवसर पर आहूजा ने कहा कि यह फ़िल्म फेस्टिवल मध्यप्रदेश का है। इसमें प्रदेश के फिल्मकारों को अवसर मिलेगा। उनकी श्रेष्ठ फिल्मों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि फेस्टिवल में फ़िल्म विधा से जुड़े विशेषज्ञ फ़िल्म निर्माण में रुचि रखने वालों से संवाद भी करेंगे। इसके साथ ही अभिनेता संजय मेहता ने कहा कि फिल्मों का विषय समाज को प्रेरणा देनेवाला होना चाहिए। फ़िल्म समीक्षक विनोद नागर ने कहा कि स्थानीयता हमें आकर्षित करती हैं। अपने शहर की लोकेशन फिल्मों में देखकर मन आनंदित होता है। उन्होंने कहा कि फ़िल्म फेस्टिवल में प्रदेश के स्थानीय युवाओं को पुरस्कृत किया जाना चाहिए, जो सीमित संसाधनों में फ़िल्म निर्माण कर रहे हैं।

इन विषयों पर फिल्में आमंत्रित हैं – ग्वालियर फ़िल्म फेस्टिवल में चार कैटेगरी में फिल्में आमंत्रित हैं- शॉर्ट फिल्म, डॉक्यूमेंट्री, कैंपस फिल्म एवं रील्स कैटेगरी। फेस्टिवल के विषय महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण, जनजाति समाज, ग्रामीण विकास, सामाजिक सद्भावना, भारतीय संस्कृति, हमारी धरोहर एवं लोकल सक्सेस स्टोरी पर आधारित है। फिल्म की अवधि भी निर्धारित की गई है, जिसमें शॉर्ट फिल्म 15 मिनट, डॉक्यूमेंट्री अधिकतम 25 मिनट और रील्स के लिए 1 मिनट की हो।

मिलेंगे एक लाख के पुरस्कार – फ़िल्म फेस्टिवल में विभिन्न श्रेणी में पुरस्कृत श्रेष्ठ फिल्मों को कुल एक लाख रुपये के पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे। फिल्मों की प्रविष्टियां भेजने की अंतिम तिथि 28 फरवरी 2025 है। उल्लेखनीय है कि सतपुड़ा चलचित्र समिति भारतीय चित्र साधना से संबद्ध है। भारतीय चित्र साधना 2 वर्षों में एक बार राष्ट्रीय स्तर का फिल्म फेस्टिवल आयोजित करता है। इसी तारतम्य में प्रान्त स्तरीय फ़िल्म फेस्टिवल का आयोजन इस वर्ष ग्वालियर में किया जा रहा है।

7 नगरीय निकायों में जल प्रदाय योजना का काम पूरा

डेढ़ लाख से अधिक आबादी को नल से जल

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा जबलपुर परियोजना इकाई के अंतर्गत 7 नगरीय निकायों में जल प्रदाय योजना का काम पूरा कर लिया गया है। यह कंपनी नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग के अंतर्गत कार्य कर रही है। एशियन डेवपलमेंट बैंक की सहायता से नर्मदा पेयजल योजना तैयार की गई है। इस योजना को नर्मदा पेयजल योजना भेड़ाघाट के नाम से जाना जा रहा है। इस पेयजल योजना से जिन निकायों को पेयजल उपलब्ध हो रहा है, उनमें भेड़ाघाट, पाटन, कटंगी, मझौली, पनागर, सिहोरा और दमोह जिले का तेंदूखेड़ा शामिल हैं।

जल प्रदाय योजना के लिए नर्मदा नदी के किनारे लम्हेटाघाट में इंटैकवैल स्थापित किया गया है। वहीं जल शोधन के लिए 31 एमएलडी का जल शोधन संयंत्र स्थापित किया गया है। सभी 7 निकायों में जल संग्रहण के लिए कुल 13 उच्च स्तरीय टंकियों का निर्माण किया गया है। हर घर नल से शुद्ध जल पहुँचे, इसके लिए 159 किलोमीटर की मुख्य पाईप लाईन और 328 किलोमीटर की वितरण पाईप लाईन बिछाई गई है।

भेड़ाघाट जल प्रदाय योजना से 7 नगरों में 32 हजार से अधिक घरों को नल कनेक्शन दिए गए हैं। इन नगरों की 1 लाख 62 हजार की आबादी लाभन्वित हो रही है। योजना की विशेष बात यह है कि आगामी 30 वर्षों की जनसंख्या वृद्धि को ध्यान में रख कर योजना डिजाइन की गई है। दस वर्षों के संचालन और संधारण के साथ योजना की लागत लगभग 257 करोड़ रूपये है।

पहले इन निकायों में जल प्रदाय की कोई स्थाई व्यवस्था नहीं थी। महिला हो या बच्चे पानी लेने के लिए घर से दूर जाकर कठिन कार्य करते थे। पूर्व में इन नगरों में हैंडपंप के आस-पास लंबी कतारें होती थीं और जनसामान्य तकलीफों का सामना करता था। मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी की कोशिशों से शोधन उपरांत शुद्ध पानी घर घर पहुँचाने की व्यवस्था की जा रही है।

मिट्टी-पानी बचाने पर मिलेगा 20 लाख का पुरस्कार

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने की वाटरशेड यात्रा की वर्चुअल शुरुआत

भोपाल (नप्र)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में अपने आवास से वाटरशेड यात्रा की वर्चुअल शुरुआत की। जल लाए धन-धान्य थीम पर आधारित वाटरशेड यात्रा 26 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में 6 हजार 673 ग्राम पंचायतों के 13 हजार 587 गांवों तक जाएगी। यह यात्रा मिट्?टी और पानी के संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करेगी। वाटरशेड के अंतर्गत ग्रामीण इलाकों में चेक डैम, बोरी बंधान, मेढ़ बंधान, खेत तालाब जैसी कई संरचनाएं बनाई जाएंगी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, इस विशेष अभियान को जनता का आंदोलन बनाएं, जन-जन इसमें जुड़ जाए। हम जनता के सहयोग से जल संरचनाएं बनाएं, माटी के संरक्षण की योजनाएं बनाएं। इस वाटरशेड यात्रा के दौरान पानी और माटी बचाने के लिए जनजागरण अभियान चलेगा और वाटरशेड के अंतर्गत पूर्ण किए गए कामों का लोकार्पण भी होगा और नए कामों का भूमिपूजन भी होगा।

वाटरशेड महोत्सव भी मनाया जाएगा। वाटरशेड पंचायत उल्लेखनीय कार्य करने वालों को सम्मानित भी करेगी। ये वाटरशेड यात्रा देशभर में जल संचयन और भूमि संरक्षण को बढ़ावा देगी। ये यात्रा पानी और माटी बचाने के लिए ग्रामीण जनता को एक मंच भी प्रदान करेगी।

शिवराज बोले- अपनों के लिए मिट्टी पानी बचाएं

वाटरशेड यात्रा को लेकर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, जल हमारे जीवन का आधार है, जल है तो जीवन है। हम माटी से पैदा हुए और माटी में ही मिलते हैं। माटी हमारा अस्तित्व है, हमारा आधार है। इसलिए मैं आह्वान करता हूं। अपने लिए और अपनों के लिए पानी और मिट्टी बचाएं। वाटरशेड यात्रा के दौरान 1 हजार 509 ग्राम सभाएं आयोजित की जाएगी और 1 हजार 640 प्रभात फेरियां भी आयोजित की जाएगी। साथ ही 2 हजार 43 स्थानों पर भूमिपूजन और 1 हजार 999 कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा। साथ ही 1 हजार 196 स्थानों पर श्रमदान और 557 स्थानों पर बागवानी वृक्षारोपण किया जाएगा।

आने वाली पीढ़ियों को बचाना है

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, जल और मिट्टी दोनों ठीक दशा में न रहें, तो हमारी जिंदगी की दशा क्या होगी? हमारी आने वाली पीढ़ियों का क्या होगा..? हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दूरदर्शी हैं, वो आने वाले 50 साल, 100 साल की सोचते हैं, आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के बारे में सोचते हैं।

बिगड़ते हुए पर्यावरण के कारण भूजल का स्तर क्या रह गया है? कई जगह पानी हजार से डेढ़ हजार फीट के नीचे चला गया है। कुछ सालों पहले नदियां बहती थी, कुएं में ऊपर तक पानी रहता था।

दो साल चलेगी जनभागीदारी प्रतियोगिता

शिवराज सिंह ने कहा कि, अगले 2 सालों के लिए जनभागीदारी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया जा रहा है। अगर जनभागीदारी से हम बेहतर जल संरचना बनाते हैं, भूमि के क्षरण को रोकते हैं तो श्रेष्ठ काम करने वाली परियोजनाओं को अतिरिक्त 20 लाख रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके लिए 70 करोड़ 80 लाख रुपए का प्रावधान भी किया है। हर साल 177 परियोजनाएं इससे लाभान्वित होंगी।

धरती को बचाने की यात्रा

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विजनरी सोच के कारण भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग मिट्टी और जल संरक्षण के लिए पीएम कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत वाटरशेड विकास घटक की योजना को क्रियान्वित कर रहा है।

इस वॉटर शेड के अंतर्गत चेक डेम, बोरी बंधान, मेढ़ बंधान, खेत तालाब जैसी कई संरचनाएं बनाई जाएंगी। ये संरचनाएं पानी भी बचाएंगे और माटी के क्षरण को भी रोकेंगे, सतही जल भी बहकर नहीं जायेगा और भूजल स्तर भी बढ़ेगा।

भरा हुआ सतही जल आसपास के बड़े इलाके में भूजल स्तर बढ़ा देगा। माटी में नमी बनेगी, माटी की जल धारण क्षमता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि, जरूरी है कि, हम इस योजना के साथ जुड़ें, ये काम अकेले सरकार नहीं कर सकती है, सरकार के साथ समाज का सहयोग भी बेहद जरूरी है।

हर गांव को, किसानों को, पंचायतों, जनप्रतिनिधि, माता, बहनों, एनजीओ, सेल्फ हेल्प ग्रुप्स को जोड़ना है। इसके लिए हमने वाटरशेड यात्रा निकालने का संकल्प लिया है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, ये महज यात्रा नहीं बल्कि धरती को बचाने की यात्रा है।

नेता प्रतिपक्ष बोले-

कांग्रेस के कारण सरकार को स्कूटी बांटनी पड़ी

- **उमंग ने पूछा- क्या पूरा पैसा लाड़ली बहनों को ही देंगे, लैपटॉप कब मिलेंगे**

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्कूल टॉपर स्टूडेंट्स को स्कूटी दी। स्कूटी बांटने और भोपाल में भारतीय किसान संघ के मंत्रालय घेराव पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पलटवार किया।

कहा -सरकार अभी तक कुंभकर्ण की नींद क्यों सो रही थी? क्या सरकार विपक्ष के प्रयास के बाद जागी। कांग्रेस विधायक दल और हम सब लोगों ने सांकेतिक रूप से दो एक्टिवा भेंट की। लेकिन, अब लैपटॉप की बात तो सरकार कर नहीं रही है, पता नहीं कब देगी?

क्या सरकार लाड़ली बहना को ही पूरा पैसा दे देगी। क्या प्रदेश के इन मेधावी छात्र-छात्राओं को भूल गई थी। ये बच्चे उन्हीं लाड़ली बहनों के बच्चे हैं। जो आगे भविष्य में आगे बढ़ना चाहते हैं। इनका भी अधिकार है। इनको भी लैपटॉप और स्कूटी मिलना चाहिए। लेकिन सरकार की स्थिति कुंभकर्ण जैसी है। जब तक हम लोग भोंपू न बजाएं तब तक सरकार नहीं जागती है। मुझे ऐसा विश्वास है कि ये योजना हमेशा चलेगी। मुझे विश्वास है कि मुख्यमंत्री जी ऐसी घोषणा करेंगे।

कृषकों के भुगतान को आसान बनाने के लिये ई-अनुज्ञा प्रणाली लागू

भोपाल(नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के कल्याण एवं समस्याओं के निराकरण के लिये प्रतिबद्ध है। किसानों की उपज का भुगतान आसान बनाने के लिये प्रदेश में ई-अनुज्ञा प्रणाली लागू की गई है। कृषकों को इस प्रणाली से जोड़कर प्रत्येक भुगतान की एंट्री ई-अनुज्ञा पोर्टल पर हो रही है। व्यापारियों द्वारा इस प्रणाली का इस्तेमाल कर क्रय की गई कृषि उपज के परिवहन के लिये गेट पास बनाये जा रहे हैं। रिकॉर्ड संधारण में इस प्रणाली से बहुत लाभ हुआ है। ई-मंडी योजना, ई-अनुज्ञा प्रणाली का विस्तारित रूप है। मंडियों में इस योजना के लागू होने से मैनुअली संधारित रिकॉर्ड धीर-धीरे समाप्त हो रहा है। ई-मंडी योजना मंडी प्रांगण के अंदर कृषकों को प्रवेश से लेकर नीलामी, तौल और भुगतान की प्रक्रिया को इलेक्ट्रॉनिकली कैप्चर करने की प्रक्रिया है।

करोड़पति कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा से पूछताछ करने जेल पहुंची ईडी

अफसरों ने किया किया सवाल-जवाब, इनकम सोर्स, सोना लदी कार और प्रॉपर्टी पर

भोपाल (नप्र)। आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा से पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम भोपाल केंद्रीय जेल पहुंची है। जेल में तीन अफसरों की टीम सुबह करीब 11 बजे से सौरभ से सवाल-जवाब कर रही है।

उसके इनकम सोर्स, इनोवा कार में मिले 52 किलो गोल्ड और 11 करोड़ रुपए कैश के साथ प्रॉपर्टी की जानकारी ली जा रही है। इसी जेल में सौरभ के सहयोगी चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल भी हैं। हालांकि, इन दोनों से आज कोई पूछताछ नहीं की जाएगी।

सौरभ शर्मा | चेतन सिंह गौर | शरद जायसवाल

सौरभ शर्मा, उसके सहयोगी चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल को मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे लोकायुक्त कोर्ट में पेश किया गया था। यहां करीब एक घंटे चली सुनवाई के बाद जज आरपी मिश्रा ने तीनों आरोपियों को 17 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। जेल में तीनों आरोपियों को ब खंड के अलग-अलग बैरक में रखा गया है।

चेतन और शरद से बाद में होंगे सवाल-जवाब

सूत्रों के मुताबिक, आज सिर्फ सौरभ से पूछताछ की जा रही है। सौरभ की प्रॉपर्टी, इन्वेस्टमेंट के साथ उसकी कंपनियों में हिस्सेदारी और विदेशी निवेश से जुड़े मसलों को भी ईडी ने निशाने पर रखा है। सौरभ से मिले जवाबों के आधार पर ईडी के अफसर चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल से अलग-अलग पूछताछ कर सकते हैं। इसके बाद आमने-सामने बैठाकर पूछताछ और जवाबों को क्रॉस चेक किया जा सकता है।

आयकर विभाग बना रहा पूछताछ की रणनीति

मामले में आयकर विभाग ने सौरभ शर्मा से पूछताछ को लेकर कोई रणनीति फाइनल नहीं की है। एक-दो दिन में आयकर विभाग पूछताछ संबंधी अगला स्टेप ले लेगा। इसको लेकर विभाग के इन्वेस्टिगेशन डीजी सतीश गोयल अधिकारियों से चर्चा कर प्लान को अंतिम रूप दे रहे हैं।

संपादकीय

लिव इन: नैतिक जिम्मेदारी तय हो

समाज में लिव इन रिलेशनशिप की बढ़ती प्रवृत्ति को लेकर व्यापक बहस होती रही है और इसको सामाजिक और कानूनी मान्यता पर भी लोगों की अलग अलग राय है। हाल में राजस्थान हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को लिव-इन रिलेशनशिप को रजिस्टर करने के लिए एक पोर्टल शुरू करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने ये फ़ैसला कई लिव-इन जोड़ों की तरफ़ से दायर याचिकाओं के बाद सुनाया है। इन याचिकाओं में इन जोड़ों ने सुरक्षा की मांग की थी। हालांकि कोर्ट के इस आदेश की मानवाधिकारवादी यह कहकर आलोचना कर रहे हैं कि यह नागरिकों की स्वतंत्रता में दखल है। पिछले दिनो राजस्थान हाई कोर्ट की एकल पीठ ने अपने फ़ैसले में कहा कि राज्य में कई जोड़े लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं, लेकिन उनके परिजन और समाज इसे स्वीकार नहीं कर रहे, इससे उन्हें ख़तरा महसूस हो रहा है।

इसी वजह से वे अदालत में याचिका दायर कर अपने जीवन और स्वतंत्रता की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने कहा, ÷जब तक केंद्र और राज्य सरकार इसे लेकर कोई क़ानून नहीं बनाती, तब तक एक क़ानूनी रूपरेखा तैयार करना ज़रूरी है। इसके लिए एक आधिकारिक फ़ॉर्म बनाया जाए, जिसे उन जोड़ों को भरना होगा जो लिव-इन रिलेशनशिप में रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लिव-इन जोड़ों को उस फ़ॉर्म में अपने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और परवरिश की ज़िम्मेदारी भी तय करनी होगी। अगर महिला साथी काम नहीं करती है, तो पुरुष साथी को उसका और बच्चों का भरण-पोषण करना होगा। जस्टिस ढंड ने यह भी कहा कि ऐसे रिश्तों से जन्मे बच्चों को समस्या का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए उनकी देखभाल पर ध्यान देना ज़रूरी है। इन बच्चों का पालन-पोषण उनके माता-पिता, खासकर पिता को करना चाहिए, क्योंकि ऐसे रिश्तों में महिलाएं भी अक्सर परेशानी में होती हैं। इस बारे में कोर्ट आदेश दे सकती है लेकिन यह भी ज़रूरी है कि पुरुष साथी अपनी नैतिक ज़िम्मेदारी निभाए और बच्चों की देखभाल करे। इस फैसले को उत्तराखंड सरकार द्वारा राज्य में लागू समान नागरिक संहिता की रोशनी मे देखा जाना चाहिए, जहां लिव रिलेशनाशिप का पंजीकरण करना अनिवार्य किया जा रहा है। दरअसल कई युवा जोड़े अपने अपरंपरागत विचारों के कारण लिव इन रिलेशनशिप में रहना चाहते हैं। इसके पीछे कारण पारिवारिक जिम्मेदारियों से बचना भी हो सकता है, लेकिन ऐसे रिश्तों को कानून वैध बनाने तथा एक परिवार के तौर पर जिम्मेदारियां और जवाबदेही तय करना भी उतना ही जरूरी है अन्यथा इससे समाज में अराजकता फैलने का खतरा है। अब तक का अनुभव यही कहता है कि लिव इन रिलेशनशिप का खमियाजा सबसे ज्यादा महिलाओं को ही भुगतना पड़ता है। हालांकि कोर्ट ने माना कि लिव इन रिलेशनशिप कानूनन अवैध नहीं है और यह वयस्क स्त्री पुरूष की आपसी सहमति से होता है। वैसे कोर्ट के इस आदेश का आम तौर पर स्वागत ही किया गया है। पंजीकरण से लिव इन रिलेशनशिप रखने वालों की पहचान होगी और जवाबदेही तय होगी। लेकिन कोर्ट के इस आदेश का विरोध करने वालों का कहना है कि लिव-इन का रजिस्ट्रेशन किसी की निजता को सार्वजनिक करना है। उनके परिवार पर भी हमले हो सकते हैं। कुछ समाजशास्त्रियों का कहना है कि समाज में एलजीबीटीक्यू समुदाय को लेकर सोच बहुत दकियानूसी है और सरकार उस सोच को तोड़ने की बजाय, उसे और मज़बूती से बढ़ावा दे रही है। यह राय अपनी जगह है, लेकिन ज्यादातर लोग इस बात के पक्ष में हैं कि लिव इन रिलेशनशिप को मान्यता देने के साथ साथ नैतिक और कानूनी जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए।

नजरिया

बलदेव राज भारतीय
लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

राजनीति में सेवानिवृत्ति का नियम क्यों नहीं

हम सभी इस तथ्य से भली-भांति परिचित हैं कि किसी भी व्यक्ति की कार्यक्षमता को प्रभावित करने में उसकी आयु एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शारीरिक और मानसिक ऊर्जा, कार्य करने की क्षमता, निर्णय लेने की शक्ति, और जटिल परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखने की योग्यता उम्र के साथ बदलती रहती है। आयु का आरोह व्यक्ति को ऊर्जावान, अनुभवी और आत्मविश्वासी बनाता है, जिससे वह जीवन के विभिन्न पहलुओं में न केवल कुशलता से कार्य करता है बल्कि प्रभावशाली निर्णय भी ले पाता है। दूसरी ओर, उम्र का अवरोह कार्यक्षमता को प्रभावित करता है, शरीर को थकान का अनुभव होने लगता है, निर्णय लेने की गति धीमी हो जाती है और व्यक्ति का प्रदर्शन धीरे-धीरे घटने लगता है।

यही कारण है कि अधिकांश व्यवसायों में कार्य करने की अधिकतम आयु निर्धारित की गई है। सरकारी नौकरियों में, चाहे वह प्रशासनिक सेवाएं हों, सुरक्षा बल हों, शिक्षण संस्थान हों या अन्य कोई सेवा, सेवानिवृत्ति की आयु आमतौर पर 58 से 62 वर्ष के बीच निर्धारित होती है। इसका मुख्य उद्देश्य यही है कि व्यक्ति की घटती शारीरिक एवं मानसिक कार्यक्षमता को ध्यान में रखते हुए उसे विश्राम और नए योग्य व्यक्तियों को अवसर दिया जाए। लेकिन जब बात हमारे देश के जनप्रतिनिधियों की आती है, तो यह नियम पूरी तरह अप्रासंगिक हो जाता है।

यह अत्यंत आश्चर्यजनक और विडंबनापूर्ण है कि जो लोग जनता के सेवक कहलाते हैं, जो लोकतंत्र के कर्णधार माने जाते हैं, वे स्वयं को कार्यक्षमता के इस मापदंड से पूरी तरह मुक्त कर लेते हैं। हमारे देश में अधिकांश नेता 60 वर्ष की उम्र पार कर लेने के बाद भी सक्रिय राजनीति में बने रहते हैं। यहाँ तक कि कई शीर्ष पदों पर आसीन राजनेता 70, 80 या 90 वर्ष की अवस्था में भी कुर्सी कुर्सी की रट लगाए रहते हैं। यह विचारणीय प्रश्न है कि यदि 60 वर्ष के बाद एक सरकारी कर्मचारी को सेवानिवृत्त कर दिया जाता है क्योंकि उसकी कार्यक्षमता में गिरावट आ जाती है, तो वही नियम हमारे नेताओं पर क्यों लागू नहीं होता? क्या वे किसी विशेष मिट्टी के बने होते हैं जिन पर उम्र का कोई असर नहीं पड़ता? क्या उनकी कार्यक्षमता बढ़ती उम्र के साथ बढ़ती ही जाती है?

नेताओं के लिए सेवानिवृत्ति की कोई आयु सीमा क्यों नहीं? इस प्रश्न का उत्तर खोजने के लिए हमें राजनीति की उस वास्तविकता को समझना होगा जो इसे अन्य सेवाओं से अलग बनाती है। राजनीति को एक सेवा की बजाय एक व्यवसाय बना दिया गया है, जहाँ आने के बाद व्यक्ति आजीवन उसी में बना रहना चाहता है। अधिकांश नेता राजनीति को एक ऐसी कुर्सी समझते हैं, जिस पर बैठने के बाद वे कभी उठना नहीं चाहते। उनके लिए यह एक निरंतर चलने वाली यात्रा होती है, जो तब तक जारी रहती है जब तक प्रकृति उन्हें स्वयं सेवानिवृत्त नहीं कर देती।

इसके पीछे कुछ मुख्य कारण हैं। पहला कारण इन्हें मिलने वाली असीमित शक्तियां और विशेषाधिकार है। जनप्रतिनिधियों को जो अधिकार और विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं, वे किसी अन्य व्यवसाय में उपलब्ध नहीं होते। उनकी निर्णय लेने की शक्ति, सरकारी संसाधनों पर नियंत्रण और उनकी सामाजिक एवं राजनीतिक स्थिति उन्हें पद से चिपके रहने के लिए प्रेरित करती है।

यह एक कटु सत्य है कि हमारे सांसद और विधायक जब चाहें, बिना किसी विरोध के, अपने वेतन और भत्ते बढ़वा सकते हैं। इसके लिए उन्हें किसी बाहरी मंजूरी की आवश्यकता नहीं होती। जहाँ सरकारी कर्मचारी अपनी तनख्वाह और भत्तों के लिए सरकार की कृपा पर निर्भर होते हैं, वहीं नेता स्वयं ही अपने वेतन-भत्ते तय करने के लिए स्वतंत्र होते हैं। यही वह दूसरा कारण है, जिसके लिए वे कभी अपनी मर्जी से राजनीति छोड़ना नहीं चाहते।

तीसरे, भारतीय राजनीति में वंशवाद एक बड़ा मुद्दा रहा है। अधिकांश वरिष्ठ नेता अपने परिवार के सदस्यों को राजनीति में स्थापित करने के लिए लंबे समय तक सक्रिय रहते हैं। वे तब तक पद नहीं छोड़ते जब तक उनका उत्तराधिकारी तैयार नहीं हो जाता।

चौथा कारण यह है कि राजनीति में आम धारणा यह है कि यहां अनुभव सबसे बड़ी योग्यता है। हालांकि यह सच है कि अनुभव महत्वपूर्ण होता है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि केवल उम्रदराज नेताओं को ही राजनीति में रहने दिया जाए। युवा नेताओं के लिए मार्ग प्रशस्त करने के बजाय, अनुभवी नेता राजनीति को अपनी निजी संपत्ति बना लेते हैं।

राजनीति का सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह है कि इसमें किसी भी प्रकार की सेवानिवृत्ति आयु निर्धारित नहीं की गई है। कोई भी व्यक्ति किसी भी उम्र तक चुनाव लड़ सकता है और जीत सकता है। यदि अन्य व्यवसायों में अधिकतम आयु सीमा निर्धारित की जा सकती है, तो राजनीति में क्यों नहीं?

हम अक्सर देखते हैं कि बड़े-बड़े नेता अत्यधिक उम्र होने के बावजूद महत्वपूर्ण पदों पर बने रहते हैं। वे कानून बनाते हैं, देश की नीतियों को तय करते हैं और जनता के भविष्य का निर्णय लेते हैं, लेकिन क्या वे स्वयं शारीरिक और मानसिक रूप से इतने सक्षम होते हैं कि वे यह कार्य प्रभावी रूप से कर सकें?

अक्सर ऐसे नेताओं की कार्यशैली सुस्त हो जाती है, वे जनता से संवाद स्थापित करने में असमर्थ हो जाते हैं और कई बार तो उन्हें सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी ठीक से बोलने में कठिनाई होती है। क्या ऐसे नेता देश को सही दिशा में ले जा सकते हैं? यदि एक सरकारी कर्मचारी 60 वर्ष की उम्र के बाद कार्य करने में अक्षम माना जाता है, तो एक 80 वर्षीय नेता कैसे पूर्ण ऊर्जा और क्षमता के साथ राष्ट्र का नेतृत्व कर सकता है? क्या नेताओं के लिए देश महत्त्वपूर्ण नहीं होता?

अब समय आ गया है कि राजनीति में भी अधिकतम आयु सीमा निर्धारित करने पर गंभीरता से विचार किया जाए। यदि सरकारी नौकरियों में सेवानिवृत्ति की उम्र होती है, तो राजनीति में भी यह नियम लागू होना चाहिए। अधिकतम आयु सीमा होने से युवा और योग्य नेताओं को आगे आने का अवसर मिलेगा, जिससे नई सोच और ऊर्जा राजनीति में आएगी।

जब राजनीतिक पदों पर अधिक ऊर्जावान और सक्षम लोग होंगे, तो निर्णय लेने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी। वरिष्ठ नेता जब तक राजनीति में बने रहते हैं, तब तक वे अपने परिवार के सदस्यों के लिए रास्ता तैयार करते रहते हैं। यदि सेवानिवृत्ति की आयु निर्धारित होगी, तो वंशवाद पर कुछ हद तक नियंत्रण लग सकता है। जब अनुभवी लेकिन अति वृद्ध नेताओं की जगह युवा, जोश से भरे और कुशल नेता आएंगे, तो देश का विकास अधिक तेजी से होगा।

राजनीति कोई नौकरी नहीं, बल्कि जनता की सेवा करने का माध्यम है। लेकिन इसे व्यवसाय बना लेने की प्रवृत्ति के कारण ही अधिकतर नेता आजीवन पद पर बने रहने की कोशिश करते हैं। कार्यक्षमता और आयु का संबंध अटूट है और इसे राजनीति में भी मान्यता मिलनी चाहिए। यदि सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों, जजों, सेना और अन्य सेवाओं में सेवानिवृत्ति की आयु निर्धारित है, तो जनप्रतिनिधियों के लिए ऐसा कोई नियम क्यों नहीं?

यदि हम सचमुच लोकतंत्र को सशक्त और प्रभावी बनाना चाहते हैं, तो हमें इस विषय पर गंभीरता से विचार करना होगा और राजनीति में भी एक अधिकतम आयु सीमा निर्धारित करनी होगी। इससे न केवल कार्यक्षमता में सुधार होगा, बल्कि एक नए भारत के निर्माण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकेगा।

आर्थिकी

अशोक भाटिया
लेखक मुंबई निवासी स्वतंत्र स्तंभकार हैं।

बीमा निजी निवेश के दो प्रावधानों का गर्मजोशी से स्वागत

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट प्रस्तुत करते हुए12 लाख रुपये तक की आय पर कर छूट की घोषणा की है। कहा गया है कि यह घोषणा पहले ही की जा चुकी है। कई लोगों के लिए, 12 लाख रुपये तक की आय अब कर-मुक्त नहीं है। हालांकि, वास्तविकता यह है कि ऐसा नहीं है। यदि आप कर छूट के लिए पात्र हैं, तो उस पात्रता को दिखाएं और फिर इस तक की आय पर कर का भुगतान न करें। वित्त मंत्री ने इसके भीतर आय और कर की राशि का विवरण क्यों दिया? समझा जाएगा कि यह सवाल क्यों नहीं उठाया गया, जिस पर टैक्स एडवाइजर की ओर से विस्तार से टिप्पणी की जाएगी और बजट दस्तावेज जारी होने का इंतजार करना होगा। 12 लाख रुपये तक की कर छूट की घोषणा और फिर भी 4 लाख रुपये से 8 लाख रुपये के बीच की आय पर 5 प्रतिशत, 8-12 लाख रुपये पर 10 प्रतिशत, आदि को इस कहावत के साथ जोड़ा जा सकता है कि 'असली दानव विवरण में है'।

हमने अब तक कई बार देखा है कि कैसे चुनाव नजदीक होने पर महज घोषणा को अच्छा शोर बनाया जा सकता है। दिल्ली विधानसभा चुनाव सिर्फ चार दिन दूर हैं, 12 लाख रुपये तक की आय की घोषणा आवश्यक प्रभाव के लिए पर्याप्त है। इस बजट में ऐसा कुछ भी न करें जिससे दिल्ली के मतदाताओं पर असर पड़े। चुनाव आयोग ने केंद्र को 'चेतावनी' दी थी। आयोग का 'डर' यह था कि इससे राजधानी के मतदाताओं पर असर पड़ेगा, जो सबसे बड़ी नौकरशाही का घर है। इससे पहले, चुनावों की घोषणा के बाद, सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए आठवें वेतन आयोग की नियुक्ति की घोषणा की और अब यह। विरोधाभासी रूप से, इस वेतन आयोग के बाद, सरकारी कार्यालय के सबसे कम कर्मचारी का वार्षिक वेतन 12 लाख रुपये हो जाएगा और आज घोषित रियायत बेकार होगी। लेकिन जब तक इस पर ध्यान दिया जाएगा, चुनाव खत्म हो चुके होंगे और कोई अन्य चुनाव नहीं होगा। यह शुरू हो गया होगा। उस समय के चुनाव पर ध्यान दें!

उदाहरण के लिए, जुलाई 2024 में पेश किया गया बजट आंध्र प्रदेश पर केंद्रित था। उस समय, केंद्र में भाजपा सरकार को हाल के चुनावों में आंध्र के चंद्रबाबू नायडू का भारी समर्थन मिला था और उनकी सरकार उस राज्य में सत्ता में आई थी। तो वह बजट आंध्र पर केंद्र की बारिश बन गया। अब बिहार की बारी है। इसलिए आज के बजट में, निर्मलाबाई ने उदार होकर उस राज्य के लिए कम से कम आधा दर्जन विभिन्न योजनाओं की घोषणा की। एक नया निगम, एक नया हवाई अड्डा, इसका विस्तार, आईआईटी-पटना को भी बहुत समर्थन दिया जाएगा और उस राज्य में एक स्वतंत्र खाद्य प्रसंस्करण अनुसंधान संस्थान भी स्थापित किया जाएगा। हालांकि, बिहार जैसे सबसे पिछड़े राज्य को कम से कम सुविधाओं की जरूरत है। देश के सबसे गरीब जिले बिहार में हैं। उनके लिए 'हवाई अड्डे के विस्तार' की घोषणा कितनी आशाजनक है। कहने की जरूरत नहीं है। लेकिन बिहार के ये बजटीय उल्लेख उस राज्य में चुनावों में वोट हासिल करने के लिए पर्याप्त होंगे क्योंकि दुनिया, कम से कम भारत, नारों पर चल रही है। अब बात करते हैं बिहार और चुनाव उन्मुख दिल्ली को छोड़कर बाकी बजट की।

इसके दो प्रावधानों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया है। दोनों निजी निवेश के बारे में हैं और उनमें से एक निजी विदेशी निवेश को संदर्भित करता है। अब हमारे पास बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत विदेशी निवेश होगा और परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी उद्यमियों के लिए खोला जाएगा। ये दोनों चीजें लंबे समय से लंबित थीं। हमें बीमा क्षेत्र की बहुत आवश्यकता है कि यह निजी क्षेत्र को पूरा नहीं कर पाएगा। हालांकि, राष्ट्रवाद, राष्ट्रवाद, हम देशभक्ति आदि जैसे तुच्छ कारणों से विदेशियों के लिए बाजार खोलना पसंद नहीं करते थे। अगर कांग्रेस सत्ता में होती, तो भाजपा यह बुलबुला पैदा करती और अगर भाजपा सत्ता में जाती तो कांग्रेस इसका विरोध करती। हालांकि, यह कहा जा सकता है कि विद्यमान सरकार ने समस्या को स्थायी रूप से तोड़ दिया था। परमाणु ऊर्जा के मामले में भी यही स्थिति थी। देश की ऊर्जा जरूरतों के विशाल दायरे को देखते हुए, परमाणु ऊर्जा में अधिक से अधिक निवेश आवश्यक है। एलएंडटी, टाटा आदि निजी कंपनियां अभी भी परमाणु रिएक्टरों के क्षेत्र में हैं, लेकिन उनके पास स्वतंत्र परमाणु ऊर्जा उत्पादन का अधिकार नहीं है, जो अब उन्हें मिलेगा। हालांकि, इस घटना का स्वागत करते हुए, यह निर्णय उद्योगों के एक विशेष समूह को ध्यान में रखते हुए नहीं लिया गया है जो हाल ही में सभी ऊर्जा क्षेत्रों में तेजी से विस्तार कर रहा है। मैं मदद नहीं कर सकता लेकिन संदेह करता हूं। नीति-निर्माण और बारीकियों के हितों को ध्यान में रखना हमारे लिए नया नहीं है। यह ऊर्जा क्षेत्र में विशेष रूप से सच है। कुछ कंपनियों का सबसे हालिया उदाहरण सौर ऊर्जा क्षेत्र में गहराई से जा रहा है और फिर सरकारी नीतियां तैयार कर रहा है, परमाणु ऊर्जा नीति पर टिप्पणी करते हुए छोटे और मध्यम आकार के परमाणु रिएक्टरों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। जैतापुर में परियोजना की शुरुआत से ही मीडिया लगातार इस मुद्दे को उठाता रहा है। 'परमाणु हथियार नहीं चाहते, परमाणु हथियार नहीं चाहते' मीडिया ने दोहराया कि कैसे एक विशाल परमाणु ऊर्जा संयंत्र बनाने की तुलना में छोटे/मध्यम रिएक्टर बनाना बेहतर है। अब ऐसा लगता है कि इसे अंततः एक नीति के रूप में स्वीकार कर लिया गया है। इसमें आपका स्वागत है। सब कुछ भव्य नहीं है, बहुत फायदेमंद है।

यह अच्छी बात है कि बजट में बाकी कृषि, लघु/मध्यम उद्यमों और व्यापार करने में आसानी पर भी ध्यान दिया गया है। कृषि के लिए, देश के 100 अत्यधिक अनुत्पादक जिलों का चयन किया जाएगा और वहां विशेष योजनाएं लागू की जाएंगी। खाद्य तेल और दालों के लिए भी कुछ योजनाएं होंगी। इस सरकार ने खाद्य तेल में आत्मनिर्भर बनने के लिए कुछ साल पहले इसी तरह की योजना शुरू की थी। बेहतर होता कि इसकी सफलता को छोटे/मध्यम स्तर के किसानों के लिए प्रस्तुत किया गया होता। यह आसान होगा और अब से आकार में भी बढ़ेगा। महिलाओं के लिए योजना 'प्यारी बहनों' की याद दिलाती है। इन सबके साथ, वित्त मंत्री ने कहा कि 'व्यापार करने में आसानी' बढ़ाने के लिए कई कानूनों में संशोधन किया जाएगा और कुछ कानूनों को निरस्त भी किया जाएगा। यह आवश्यक था। ऐसे कानूनों को खोजने के लिए एक विशेषज्ञ समिति नियुक्त की जाएगी और एक वर्ष की अवधि होगी। इस समिति की क्या आवश्यकता है? वास्तव में, सरकार के पास विशेषज्ञ रिपोर्ट होगी कि कितने और कौन से कानून पुराने हैं। धूल साफ करने और उनका पालन करने के लिए नई समिति की भी आवश्यकता नहीं होगी। यदि समय और खर्च किया जाता है, तो प्रस्ताव में शेष भारतीय भाषा पुस्तक प्रकाशन आदि का उल्लेख किया गया है, जो 'गोमूत्र का उपयोग' जैसी पुस्तकों से परे जाना चाहिए।

एक साल पहले घोषित नई कर व्यवस्था अधिकांश के लिए विश्वसनीय नहीं लगती थी। अब नया ढांचा उस नई व्यवस्था से जुड़ने और सभी कामकाजी करदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है। अगर आपको 12 लाख रुपये तक टैक्स नहीं देना है, तो यह 4 लाख रुपये से अधिक क्यों है? शायद वित्त मंत्री इसका जवाब देंगे। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि 2019 के चुनावों से पहले कर-मुक्त आय सीमा को 2.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये और 2023 के बजट में 7 लाख रुपये करते हुए, वित्त मंत्री ने नए पांच साल के कार्यकाल का पहला बजट पेश करते हुए इससे आगे निकल गए हैं। वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयकर रिफंड दोगुना हो गया है। इस पीढ़ी के स्वास्थ्य खर्च का ध्यान रखते हुए 36 प्रमुख आवश्यक दवाओं को सस्ता बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इस वर्ग को बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी विदेशी निवेश का लाभ भी मिलेगा। नवाचार को बढ़ावा देने के प्रयास अगली पीढ़ी को आकर्षित करेंगे।सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए वित्तपोषण बढ़ाया गया है। सरकार ने उन किसानों को पर्याप्त नहीं दिया है जो 2014 में नरेंद्र मोदी और भाजपा के साथ खड़े थे। सम्मान योजना के तहत किसानों को सालाना दिए जाने वाले 6,000 रुपये में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है।

एमएसपी, ऋण माफी आदि का कोई उल्लेख नहीं था। इसके बजाय, देश के 100 जिलों में 1.7 करोड़ किसानों के लिए 'प्रधानमंत्री धन-दीना' योजना की घोषणा की गई है। वर्षों से भारतीय कृषि क्षेत्र को त्रस्त करने वाले कृषि उपज में आत्मनिर्भरता का वादा किया गया है, और बिहार में मखाना या महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में कपास की खेती को मजबूत करने के लिए एक योजना की घोषणा की गई है। किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी गई है। हालांकि ये घोषणाएं आकर्षक हैं, लेकिन यह निश्चित रूप से किसानों के लिए पर्याप्त नहीं है। उत्तर भारत के कानून ने मध्य और दक्षिण भारत में एमएसपी और बहुप्रतीक्षित ऋण माफी जैसे प्रमुख मुद्दों की अनदेखी की है। यह और भी उल्लेखनीय है कि मध्यम वर्ग वित्त मंत्री के राजकोषीय संकल्प के केंद्र में वापस आ गया है क्योंकि वह 5 ट्रिलियन डॉलर की दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहे हैं।

जीवन की परीक्षा के लिए तैयार होते बच्चे

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया
लेखक स्तंभकार हैं।

आज के समय में बच्चों के भविष्य की हर अभिभावक को चिंता रहती है। हम सभी चाहते है की हमारे बच्चे पढ़-लिखकर कोई अच्छी नौकरी करें। जिससे कि उनका भविष्य सिक्योर हो सके। लेकिन आने वाले कल के लिए, क्या हम उनके आज पर ध्यान दे पा रहे है? तो हम सब का जवाब होगा, हाँ, हम तो ध्यान दे पा रहे हैं। उनकी पढ़ाई का ध्यान रखते हैं, हम उन्हें पढ़ाते हैं, ट्यूशन भेजते हैं। हम उनके लिए अच्छे से अच्छे ट्यूटर रखने केसाथ-साथ घर पर भी पढाने की कोशिश करते हैं। महंगे से महंगे स्कूल में पढ़ाते हैं। क्या यह सब काफी है? क्या एक अच्छे महंगे स्कूल में पढ़ा लेने से या इक ट्यूशन रखा देने से हमारी एक माता पिता होने की जिम्मेदारी से हम बिल्कुल आजाद हो जाते हैं? यह हमारी जिम्मेदारी पूरी हो जाती है। क्या हम वो जिम्मेदारी नहीं निभा पा रहे है? नहीं, हम वह जिम्मेदारी अच्छे से नहीं निभा पा रहे। क्योंकि हम कभी भी बच्चे से पूछते नहीं। कि तुम्हारी तैयारी कैसी है? एग्जाम आने से पहले बस पढ़ते ही रहो। तभी तुम जीवन में कुछ कर पाओगे, लेकिन जीवन में करना क्या है ? यह कौन बताएगा? हम बिना बच्चों के मन को जाने उन्हें एक अंधेरी गली में छोड़ रहे है। जहां की रोशनी भी उन्हीं को तय करनी है। इस सब के बावजूद अगर वह जीवन के किसी मोड़ पर रोशनी को लाने में असफल हो जाते है।तब हम उनकी मदद करने से पहले अपने जीवन के तजुर्बों की दुहाई देने से बाज नहीं आते ।

हर बच्चा सफल होना चाहता है। हर बच्चा अपने जीवन में सुख और समृद्धि पाना चाहता है। आज भी अपने बच्चों से उनके परीक्षा से पहले ही कभी नहीं पूछते कि तुम कैसे हो? जब भी बच्चा परीक्षा देकर वापस आता है। । तो हमारा पहला सवाल यही होता है कि पेपर कैसा रहा? क्या सच में हमें लगता है कि पेपर अच्छा देने से वो भी अच्छा है? मैं यहाँ ये नहीं कहना चाहती कि एक कागज का टुकड़ा आपका भविष्य दैनिक निर्धारित नहीं कर सकता, बिलकुल कर सकता है। हर कागज का टुकड़ा आपका भविष्य निर्धारित कर सकता। हम लेकिन उस कागज़ के टुकड़े को अगर इतना अधिकार है कि वो आपका भविष्य निर्धारित करें तो सोचिये आपके बच्चे पर अपने जीवन को निर्धारित करने का कितना अधिकार होगा? हर बच्चा सफल होना चाहता है। लेकिन लेकिन ये संभव कैसे होगा? ये संभव होगा आपके अपनेपन से आपके प्यार से आपके उस साथ से जो वो सच में चाहता है।

बच्चा जब भी किसी सवालों में खुद को घिरा हुआ महसूस करता है, तो उसे वो सब याद आता है तो उसने पढ़ा होता है। या फिर उसे यह भी याद आता है कि अगर वो सफल नहीं हुआ तो उसके घर में क्या होगा? उसके माँ बाप उसे किस तरह ट्रीट करेंगे? आपके बच्चे में ही कॉन्फिडेंस होना चाहिए कि नंबर चाहे कैसे भी हों, आप उसके साथ है।तब वह ना तो टूटेगा ना ही बिखरेगा।

उसे याद रहेगा की अगर आज कम नंबर आये हैं तो जरूर उसमें उसकी कहीं कुछ गलती है रह गयी। उस गलती को उसे सुधारना है।बार -बार लगातार उस पर चिल्लाए मत। कई बार ऐसा होता है कि बच्चा ओवर कॉन्फिडेंट भी हो जाता है। कि मुझे तो सब आता है, मैं एक तो कर लूँगा। ये स्वाभाविक है। हम भी कई बार इतने ओवर कॉन्फिडेंट हो जाते है । तब रिज़ल्ट नकारात्मक आता है। उस वक्त आपको उसे प्यार से समझाने की जरूरत है। बस उस वक्त अपने माँ बाप होने के अहंकार को दरकिनार करके, उस बच्चे की मनोभाव को समझें। उसे समझाइए कि जो उसका ओवर कॉन्फिडेंस है, उसे कॉन्फिडेंस में बदलें। तभी वो सफल हो पाएगा।

कोई भी बच्चा असफल नहीं होना चाहता। तो फिर क्यों असफल होता है? इस पर ध्यान दीजिए। उसे भाषण ही नहीं उसे आपकी जरूरत है। अगर आप कहीं अपने तजुर्बों से उसके मनोभाव को समझने की कोशिश करें,तो वह आपकी सलाह को भाषण कभी भी नहीं समझेगा। अगर वो कम नंबर लाया है,उसे चुप रहकर शर्मिंदा कीजिए। बार -बार। चिल्लाकर उसको अपने सामने मुँह खोलने पर मजबूर ना करें। आपकी खामोशी जो काम करेगी। वो आपकी तेज़ आवाज़ कभी नहीं कर पाएगी। उसे आप की जरूरत है।

हर बच्चे को अच्छे माँ बाप की जरूरत है , वीसे ही माँ बाप भी बच्चों के बिना अधूरे है। परीक्षा के दिनों को , अपने रिश्ते की परीक्षा का भी मत बनने दीजिए। आपके बच्चों को पता हो की आप उनके साथ है।यकीन करें यही उनके लिए सबसे बड़ा वरदान सिद्ध होगा।बच्चों को अच्छे इंसान बनाएँ,मशीन नहीं।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

पूरन सरमा
लेखक व्यंग्यकार हैं।

सखी ! वसंत आ गया !

सखी ! तेरा क्लास फैलो वसंत नहीं, प्रकृतिवाला मौसमी वसंत आ गया है। चारों तरफ हरियाली छटा और गुलाबी ठण्ड है। अपना होश संभाल और पत्ते-पत्ते व फूल-फूल को निहार। जीवन में नवचेतना भरने वाला वसंत आ गया है। वसंत के बाद तो मजे ही मजे है। पहले वसंत, फिर वेलेंटाइन डे, फिर फागुन और फिर होली। मस्ती का दरबार सजा हुआ है। अपने आपको डुबोले इसमें। इसकी छटा ही न्यारी है।

यही वह ऋतु है-जब बूढ़ों में जवानी आ जाती है। इसलिए बूढ़ों से बचकर चल और जवानों के संग बोल-बतिया।

सखी ! यह बेला मामूली नहीं है। बजट आयेगा। वही घाटे को पूरा करने वाला बजट। महंगाई को बढ़ाने वाला बजट। लेकिन तू बजट की परवाह मत कर। तू तो सोलह सिंगार करके चिहुंकत फिर। कमाने वाले जाने और उनका काम जाने। तेरा पति तो एक नम्बर का भ्रष्टाचारी है, पता नहीं उसने ऐसे कितने बजट देखे हैं, उसका बाल भी बांका नहीं हुआ है। तू तो वंसत के आनंद उठा। गोल-गप्पे खा, पानी पतासे पी और पिज्जा बर्गर की बहार में इस घाटे के बजट को ठेंगा दिखा दे। बेशकीमती साड़ियां धारण कर, क्योंकि वसंत आ गया है।

सखी ! किसी की बात पर कान मत धर और मेरी सुन। देह में ठण्ड की झुरझरी उठती है न, इसे समझ और अपने पति से कह दे कि एक सप्ताह का सी.एल. लेकर तुझे आउटिंग पर ले जाये। तेरा पति गधे की तरह कमाने में लगा हुआ है। उसे जीने का मतलब समझा। उसने बैंक बैलेंस बढ़ाने को जीवन का अर्थ मान लिया है। शिमला चली जा। वहां वसंत और जोरों से बगराया है। महंगी से महंगी शॉपिंग कर। शिमला में जाकर अपने पति पर बर्फ के गोले मार। वह भी बेवकूफ नहीं है, सब समझ जायेगा और तुझे अपनी भुजाओं में भरकर पूछेगा-क्या वाकई वसंत आ गया है ? तब तू शरमाना मत, साफ कह देना-हाँ वसंत आ गया है मौज-मस्ती का ! तेरा रोम-रोम जादू समान हवाओं से गमक उठेगा।

सखी ! शिमला से आने के बाद तू देर तक सोती रह। लंच का क्या, वह तो टिफिन सेंटर से आ जायेगा। वसंत किसी दूकान पर थोड़े ही मिलता है। इसलिए वसंत ऋतु के आनंद उठा। मुझे पता है वसंत ने तेरे अंग-अंग में जादू जगा दिया है। इस जादू को समेट ले अपने दिल में। यह वसंत बीत गया तो पूरे एक साल बाद आयेगा यह मुआ। इसे जाने मत दे। फिर देख बहारें मस्ती की। होली तक चलने वाला यह वसंत तेरे ठाठ कर देगा। गहनों से लदी-फंदी तू पड़ौस में ईर्ष्या जगा दे। उस कलमुंही पड़ोसन को और जला अपने रूप और वैभव से। यौवन का वैभव तो भरा पड़ा है तेरे पास। बैंक बैलेंस पति के पास है ही, दोनों वैभव लुटायेगी तो उस पड़ोसन के तो वैसे ही छक्के छूट जायेंगे।

सखी ! उठ और आलस का त्याग कर और फागुन से मन की तमाम बातें कह डाल। फागुन बहुत मनचला होता है, यह सुनता सबकी है, लेकिन करता अपने मन की है। फागुन में बाबा भी देवर लगता है। लेकिन तू बाबा को बाबा ही रहने दे और देवर पर रंग-गुलाल उड़ा। वह भी कम रंगीला नहीं है, तेरे लिए होली खेलने के बहाने मलाई पुवे लेकर आया है। इनको खाजा और उसे दिखा दे ठेंगा। सखी ! मेरी प्यारी सखी, वसंत आ गया है। इसकी अगवानी कर। यह निकल गया तो बहुत पछतायेगी। इसलिए मैं तुझसे फिर कह रही हूँ-सखी ! वसंत आ गया है। प्रकृति को भर ले अपने अंक में, क्योंकि यह तिलिस्मी ऋतु बाद में सालभर बाद आयेगी।

जयंती पर विशेष

विवेक कुमार साव

लेखक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में शोधार्थी हैं।

बादशाह खान: दुनिया के खिदमतगार सीमांत गांधी

सड़कों का जाल पहाड़ों की जीवन रेखा माना जाता है, लेकिन उत्तराखंड के दूरस्थ गांवों में सड़क कनेक्टिविटी अब भी एक चुनौती बनी हुई है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने सड़कों के निर्माण पर जोर दिया है, लेकिन विभिन्न कारणों से कई सड़कें आज भी अधूरी पड़ी है। करीब 500 की आबादी वाले सुराग गांव के लोगों को भी सड़क का इंतज़ार है। इस संबंध में 45 वर्षीय नंदी देवी बताती हैं कि सुराग गांव के लिए स्वीकृत सड़क का निर्माण अभी तक नहीं हो सका है, जिससे ग्रामीणों में निराशा है। हालांकि इसके लिए गांव वालों ने कई बार शासन-प्रशासन से मांग की, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। हालांकि सुराग से भगदानू जाने वाली सड़क का सर्वेक्षण भी किया जा चुका है।

खान अब्दुल गफ्फार खान जी, जिन्हें 'सीमांत गांधी' के नाम से जाना जाता है, एक ऐसा व्यक्तित्व थे जिन्होंने अपने जीवन को अहिंसा व शांति के लिए समर्पित कर दिया। उनका जन्म 6 फरवरी, 1890 को उतमानजई में एक पठान परिवार के घर हुआ था। वे एक प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने ब्रिटिश राज के शासन को समाप्त करने के लिए कई संघर्ष किए। उनके समर्पण और गांधीजी के साथ घनिष्ठ संबंध के कारण, उन्हें 'सीमांत गांधी' उपनाम मिला। महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, देश के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में, जो अब अफगानिस्तान का हिस्सा है, उसी समय खान अब्दुल गफ्फार खान का भी उदय हुआ, जिन्होंने अपने सम्पूर्ण जीवन को ही स्वतंत्रता संग्राम के लिए समर्पित कर दिया। महात्मा गांधी की सत्य और अहिंसा की रणनीति से प्रेरित होकर, खान जी ने अपने क्षेत्र में एक अहिंसक लोगों की फ़ौज खड़ी कर दी, जिसे उन्होंने 'खुदाई खिदमतगार' या 'खुदा के सेवक' कहा। उनके विचारों के अनुसार, मानव का कर्तव्य है ईश्वर की सेवा करना, चूंकि ईश्वर को हमारी सेवा की आवश्यकता नहीं है, इसलिए हमें उसकी रची हुई दुनिया की सेवा करनी चाहिए। यह विचार उनके आंदोलन की मूल भावना को दर्शाता है, जो मानवता की सेवा और कल्याण के लिए समर्पित था। उन्होंने अपने लाखों अनुयायियों को बंदूकें छोड़ने और ब्रिटिश शासन के खिलाफ अहिंसक तरीके से लड़ने की प्रतिज्ञा करने के लिए प्रेरित किया। इसके माध्यम से उनकी गरज इतनी ही थी कि वह चाहते थे अहिंसक मार्ग से सभी लोगों का भला हो, जो पश्तून समुदाय के खूनी और बर्बर इतिहास को देखते हुए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। हम देखते हैं कि खान जी ने देश के विभाजन के खिलाफ जोरदार आवाज उठाई और गांधीजी से प्रेरित होकर अहिंसा के आदर्श को अपनाया। उनकी दृढ़ निष्ठा और सिद्धांतों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के कारण उन्हें पाकिस्तान में कई बार कारावास की सजा का सामना करना पड़ा। खान साहब की जेल में प्रताड़ना की कहानी उनके शारीरिक परेशानियों में भी परिलक्षित होती थी। लंबे कारावास ने उनके शरीर को कमजोर बना दिया था, जिसकारण वे धीरे-धीरे बोलते थे। स्नायु रोग और हृदय की बीमारी ने उनके शरीर को कमजोर कर दिया था, लेकिन उनके चेहरे पर हमेशा आत्म-विश्वास की चमक प्रकट होती रहती थी। उनकी जेल की यातना के बाद का वर्णन करते हुए, देवी प्रसाद जी ने लिखा है कि लंबी जेल एक हृष्ट-पुष्ट व्यक्ति को भी तोड़ देती है। पाकिस्तान बनने के बाद 10-15 वर्षों के कारावास ने उनके शरीर को कमजोर बना दिया था। उनकी बीमारी के बारे में पूछने पर, उन्होंने बताया कि स्नायु रोग ने उनके पांव को एकदम कमजोर कर दिया है। उनको हृदय की बीमारी थी, लेकिन इसके बावजूद उनके चेहरे पर वही शांति और आत्म-विश्वास प्रकट हो रहा था। अतः उनकी बहादुरी और अहिंसा के प्रति उनकी प्रतिज्ञा ने ही उन्हें 'सीमांत गांधी' के नाम से प्रसिद्ध किया। बंटवारे के दो दशकों के उपरांत, अक्टूबर 1969 में गांधी जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर उन्होंने भारत की यात्रा की। इस ऐतिहासिक अवसर पर, उन्होंने 2 अक्टूबर को दिल्ली में एक विशाल सार्वजनिक सभा को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने अपने विचारों और संदेशों को जनमानस तक पहुँचाया। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं तो आया हूँ कि आपको महात्मा गांधी की याद दिला सकूँ और यह याद दिला सकूँ कि आप कितना उनके रास्ते पर चल रहे हैं। मैं तो आया हूँ कि आपके साथ बैठकर सलाह-मशविरा कर सकूँ। इसप्रकार हम देखते हैं कि बापू और भारत के प्रति उनकी अनन्य प्रीति और समर्पण एक अटूट बंधन की तरह था, जो आजीवन बना रहा। उनका यह प्रेम व समर्पण एक प्रेरणा का स्रोत है, जो आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करता रहेगा। वर्ष 1987 में, खान अब्दुल गफ्फार खान को भारत गणराज्य का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, भारत रत्न से सम्मानित किया गया, और इस प्रकार वह इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को प्राप्त करने वाले पहले गैर-भारतीय बने।

इसके अलावा भी, वर्ष 1981 में सरहद गांधी भारत आते हैं और 23 दिसंबर बुधवार के दिन विनोबा जी से मुलाकात करते हैं। उस समय हिंदुस्तान को तबाही और बर्बादी की ओर बढ़ता देख सरहद गांधी, विनोबा जी के समक्ष अपनी चिंता और दुःख जाहिर करते हैं। वे विनोबा जी से अनुरोध करते हैं कि वह मुल्क के लोगों को तबाही से बचाने और बर्बादी का इलाज करने के लिए कुछ करें। और फिर बाबा उन्हें 'जय जगत' की बात बताते हैं। इस वार्तालाप के बाद, 25 तारीख की सुबह, बाबा स्वयं खान साहब के कक्ष में उपस्थित होते हैं, उस समय खान साहब कुछ लिखने में व्यस्त थे। विनोबा जी चुपचाप वहीं रखी कुर्सी पर बैठ जाते हैं, कुछ मिनट के बाद खान साहब जब उन्हें अचानक देखते हैं तो आश्चर्यचकित हो जाते हैं। और कहते हैं - 'आप यहाँ क्यों आएं? मैं आपके पास वहीं आने वाला था।' और दोनों लोग हाथ मिलाकर पुनः वार्तालाप करने लगते हैं। बात-चीत के पश्चात, विनोबा जी उनके हाथों पर लाल रंग का गुलाब रख देते हैं। खान साहब गुलाब को चूमते हुए कहते हैं - गांधीजी मेरे साथ अफगानिस्तान आना चाहते थे, लेकिन लोगों ने उन्हें शाहिद कर दिया। अब मैं आपको वहाँ आने के लिए नहीं कहूँगा। यह सुनते ही विनोबा जी उनके समक्ष रवींद्रनाथ जी का गीत गुनगुनाते हैं

आमार शकल कांटा धन्य करे। फुटबे गो! फूल फूटबे, आमार शकल व्यथा रंगीन हये। गोपाल हये उठबे।

गीत का अर्थ है - हमारे समस्त कष्ट और व्यथाएँ एक दिन धन्य होकर सुरभित पुष्पों में परिवर्तित हो जाएंगी। हमारी सारी व्यथा और कठिनाइयाँ रंगीन होकर, गुलाब की तरह खिल उठेंगी और हमारे जीवन में सुख, समृद्धि और आनंद का संचार करेंगी। उस पल, पूरा वातावरण एक अनोखी भावना से भर गया था, आँखें भी भावुकता से नम हो गई थीं। शायद, यह दुनिया के खिदमतगार की सादगी और सिर्फ प्रेम ही नहीं, बल्कि दुनिया के हालात से उपजे दुःख का भी प्रभाव था। और इसी बीच, गुलाब पुष्प के माध्यम से बाबा की शुभकामनाएँ कविगुरु के शब्दों में प्रकट हुईं। यह एक ऐसा पल था जब बापू की दो संतानें - खान साहब और विनोबा जी - एक ही भाव में डूब गए थे। आखिर, हृदय जोड़ने वाले बाबा ने तो उन्हें कह ही दिया था - दुनिया के खिदमतगार। ओह! लाल कुर्ता वाले शहीद, सरहद की दीवारों ने आपको मार डाला। बंटवारे के समय बापू से आपको कितनी शिकायत थी, क्योंकि बहुत सारा प्यार जो आप उनसे करते थे। इधर के एक उन्मादी भेड़िये ने ही बापू की निर्मम हत्या कर डाली, जिन भेड़ियों की तरफ अपने पहले ही बापू के समक्ष चिंता जाहिर कर दी थी। आपके बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा, खान साहब।

पुण्य स्मरण

ब्रजेश कानूनगो

लेखक स्तंभकार हैं।

डॉ.विष्णु भटनागर: चित्र और कविता का अनोखा समन्वय

उज्जैन मध्यप्रदेश में जन्मे डॉ. विष्णु भटनागर जी इस तरह के सृजनधर्मी थे जो एक तरफ कुशल चित्रकार थे तो दूसरी तरफ एक सामर्थ्यवान कवि भी थे. एक साथ हिंदी और चित्रकला में पीएचडी के साथ साहित्यालंकार और साहित्यरत्न की उपाधियों से विभूषित थे. वर्ष 1973 से 1976 के बीच उन्होंने मुंबई से प्रकाशित महत्वपूर्ण पत्रिका नवनीत में उपसंपादक के रूप में कार्य किया. कई पुस्तकों, स्मारिकाओं के संपादन के अलावा कला,संस्कृति और पुरातत्व से संबंधित मेलों और आयोजनों में उनकी बड़ी भूमिका रही। मुंबई, भोपाल,उज्जैन सहित कई शहरों की कला दीर्घाओं में उनकी चित्र प्रदर्शनी लगती रहीं। पत्र पत्रिकाओं के साथ आकाशवाणी के कई केंद्रों से उनकी रचनाओं और वार्ताओं का प्रसारण होता रहा। 6 फरवरी 2007 को दिवंगत होने तक वे उज्जैन में रहते हुए निरंतर सृजनरत रहे।

एक कलाकार केवल एक विधा का रचनाकार नहीं होता. सारी कलाएं एक दूसरे की पूरक होती हैं. हर कला और सृजन के पीछे व्यक्ति की संवेदना,अनुभूति और विशिष्ठ दृष्टि ही होती है जिसे अभिव्यक्ति का माध्यम मिलता है. अभिव्यक्ति का माध्यम चाहे शब्द हों,स्वर हों, शिल्प हो, रंग हों या रेखाएं हों सब हमारी अनुभूति और संवेदना का जरिया बनते हैं. कभी यह भी होता है कि किसी शिल्प या चित्र में हमें कविता सुनाई देने लगती है तो कभी कविता कोई चित्र रच देती है. यह होता है. दर्शक और पाठक को भी अपने को इसके लिए तैयार करना होता है. सृजनकार के स्तर पर उसकी संवेदनाओं के साथ बहना आना चाहिए।

उज्जैन मध्यप्रदेश में जन्मे डा विष्णु भटनागर जी इस तरह के सृजनधर्मी थे जो एक तरफ कुशल चित्रकार थे तो दूसरी तरफ एक सामर्थ्यवान कवि भी थे. एक साथ हिंदी और चित्रकला में पीएचडी के साथ साहित्यालंकार और साहित्यरत्न की उपाधियों से विभूषित थे. वर्ष 1973 से 1976 के बीच उन्होंने मुंबई से प्रकाशित महत्वपूर्ण पत्रिका नवनीत में उपसंपादक के रूप में कार्य किया. कई पुस्तकों, स्मारिकाओं के संपादन के अलावा कला,संस्कृति और पुरातत्व से संबंधित मेलों और आयोजनों में उनकी बड़ी भूमिका रही. मुंबई,भोपाल,उज्जैन सहित कई शहरों की कला दीर्घाओं में उनकी चित्र प्रदर्शनी लगती रहीं. पत्र पत्रिकाओं के साथ आकाशवाणी के कई केंद्रों से उनकी रचनाओं और वार्ताओं का प्रसारण होता रहा. 6 फरवरी 2007 को दिवंगत होने तक वे उज्जैन में रहते हुए निरंतर सृजनरत रहे।

प्रसिद्ध पुरातत्वविद डा विष्णु श्रीहरि वाकणकर जी के सानिध्य ने शायद उन्हें वह पुरातत्वीय दृष्टि भी प्रदान कर दी थी जिससे उनकी कई कृतियों में एक विशिष्ठ रहस्यमयता के दर्शन भी होते हैं. खासतौर से उनके रेखाचित्र उनकी कृतियों को अन्य रेखाचित्रकारों से बिलकुल अलग कर देते हैं. उस दौर के कलाकार रहे हों या आज के रेखाकार, कृतियों का यह फर्क आसानी से महसूस किया जा सकता है. विष्णु जी की रेखाओं में बहुत बारीकी या नक्काशी है, महीन बुनावट है, कभी कभी उलझी उलझी भी लगती हैं जैसे अंतर्मन में कहीं कोई जटिलता हो. जैसे कोई रहस्य वहां छुपा है. लेकिन जब हम एक पुरातत्ववेत्ता की दृष्टि लेकर कृति के भीतर उतरते हैं तो चमत्कृत हो उठते हैं. यह काम केवल विष्णु जी ही कर सकते थे. यही उनके चित्रकार की विशेषता है. उनकी कृतियां किसी ज्यामितीय स्वरूप की सीमा या अनुशासन में नहीं बंधती बल्कि महासागर में स्थित प्राकृतिक द्वीप समूहों में विस्तार सा पाती नजर आती है. जिनमें जीवन का विस्तार होता है. विविधता होती है।

इसी शिल्प और शैली में उनकी कविताओं को भी परखा जा सकता है किंतु उनके काव्य में रहस्यवाद तो है किंतु उनमें भावनाएं और मनुष्य की सहज आकांक्षाओं के दर्शन भी होते हैं. वहां प्रेम भी है,सौंदर्यबोध भी. उत्सव और उमंग के रंग भी हैं. 'किरणों की सौगात' की कविताओं में इन्हे पाया जा सकता है. अपेक्षाकृत ये जीवन की कोमलता और रोशनी की कविताएं है।

गत वर्ष विष्णु जी की सहधर्मिणी पूर्णिमा जी ने उनकी सत्रहवीं पुण्यतिथि पर उनकी कविताओं का संग्रह 'किरणों की सौगात ' (ऋषि मुनि प्रकाशन,उज्जैन) प्रकाशित करवा कर विष्णु जी की स्मृति और उनकी अनुभूतियों का एक ऐसा दीपक प्रज्वलित किया था जिसके प्रकाश में चित्रकला और कविता का वह मिला जुला चित्र पुन: रोशन हो उठा है जो अतीत को वर्तमान में उपस्थित कर देता है. पूर्णिमा भटनागर जी के इस सार्थक प्रयास पर उन्हें साधुवाद. यह उनका संकल्प और परिश्रम ही है कि 'किरणों की सौगात ' चित्र सह कविता संग्रह आज हमारे सामने है।

विष्णु भटनागर जी के सरोकारी और सामाजिक प्रतिबद्ध और विद्रोही कवि को जानना समझना है तो उनके पहले संग्रह 'अनुभूति की अर्गला' (1985) की कविताओं और खासतौर से उनकी गजलों से गुजरना चाहिए। यद्यपि उस संग्रह की कुछ कविताएं नए संग्रह में भी शामिल हैं लेकिन 'अनुभूति की अर्गला ' की कविताओं का चयन विष्णु जी ने खुद किया था।

उनकी गजलों के कुछ अंश मैं यहां रख रहा हूं. विष्णु जी लिखते हैं... ।

गुफ्तगू करके ढलक रहा है आदमी/मन ही मन क्यों पुलक रहा है आदमी. इतने दिनों तक खाली था श्वेत कैनवास/अब उसकी पूर्ति में कलाकार हो रहा है आदमी।

वे लोग सिफर हैं सो मुश्किलों के भंवर में हैं/ सैलाब के साथ चल पड़े इसलिए सफर में हैं।

दावतें उड़ाने में सपरिवार जुटने पर आमादा/ मगर मुसीबत के मारे तो फिरते डगर डगर में हैं।

पहले गाते थे मेरे साथ खुली हवा में तराने/ अब उनकी गरज रही नहीं सो हो गए हैं बेगाने।

तुम्हे जो मिल गया उससे जुड़े रहिए/ हमारे रिक्त पृष्ठों को तुड़े मुड़े रखिए।

मगर वे क्षण लौटकर नहीं आ पाएंगे/ भले ही मन में जिंदगी भर जुड़े रखिए।

भले ही विष्णु जी अपनी कविता में रिक्त पृष्ठों को मुड़े तुड़े रखने की बात कह गए हों लेकिन सच तो यह है कि वे अपने ही होते हैं जो उन्ही पृष्ठों को पुन: सहेज लेते हैं और जिंदगी भर जुड़े रहकर उन्हीं क्षणों को लौटा लाने की आकांक्षा को पूरा करने का प्रयास करते हैं. पूर्णिमा जी ने इस वर्ष उनकी स्मृति को बनाए रखते हुए उज्जैन में दिनांक 6 फरवरी से 8 फरवरी तक कला प्रदर्शनी और कलाकारों के सम्मान का एक कार्यक्रम आयोजित किया है। उन्हें साधुवाद और श्री विष्णु भटनागर जी की स्मृति को श्रद्धापूर्वक नमन. कार्यक्रम की सफलता के लिए हमारी शुभकामनाएं।

पुण्यतिथि पर विशेष

रमेश रंजन त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

लता जी जैसा कोई नहीं

तीन साल पहले आज के दिन परलोक में भारी गहमागहमी रही होगी। स्वर कोकिला वहाँ पहुंची थीं। वाग्देवी का सानिध्य उन्हें मिला होगा। धरतीवासी उन्हें पूरी शिद्दत से आज भी याद करते हैं। वे अपनी आवाज के माध्यम से हमेशा सबके साथ रहेंगी।प्रशंसक उनके कालजयी गीतों को सुनते हुए गुलजार साहब से सहमत हो जाते हैं कि 'नाम गुम जाएगा, चेहरा ये बदल जाएगा, मेरी आवाज ही पहचान है, गर याद रहे'। विज्ञान का नाम बीच में लाकर अवधारणा बना ली गई है कि ध्वनि कभी पूरी तरह समाप्त नहीं होती, उसकी तरंगें अंतरिक्ष में अनंत काल तक बनी रहती है। यही मान्यता आवाज को अनश्वरता प्रदान करती है। उन्नत तकनीक लंबे समय तक किसी की भी आवाज को संरक्षित रख सकती है। लता जी के प्रशंसक टेक्नोलॉजी की सहायता से हर दिन उन्हें सुना करते हैं। रस, छंद, ताल और संगीत के प्रत्येक क्षेत्र में लता जी को महारत हासिल थी। स्वर और गायन के मामले में उनपर ईश्वर की महती कृपा तो थी ही, उनकी अपनी तपस्या भी कम नहीं थी। पाँच वर्ष की छोटी सी उम्र में वे शास्त्रीय संगीत को समझने लगी थीं। सतत अभ्यास और कठोर अनुशासन ने उन्हें गायकी में सिद्धि के साथ दिव्यता भी प्रदान की थी। उनके स्वर में अनोखी पवित्रता का स्थायी भाव होता था जो उनके गीतों में भी झलकता था। वे प्रेम गीत गाएँ या विरह के, गजल गाएँ या कव्वाली, जो भी गाती थीं, उसमें अलौकिकता का आभास होते लगता था। याद करिए, 'जानेवाले से मुलाक़ात न होने पाई', 'छुप गया कोई रे दूर से पुकारे के', 'तुम न जाने किस जहां में खो गए', 'बचपन की मोहब्बत को दिल से न जुदा करना', 'वो दिल कहां से लाऊँ तेरी याद जो भुला दे', 'लो आ गई उनकी याद वो नहीं आए' जैसे अनेक गीत जो आपके कलेजे को चीर कर रख देते हैं। मान लेते हैं कि उनके स्वर में करुण रस स्थायी भाव बनकर बहता था परंतु शृंगार, हास्य, अल्हड़ता, रोमांस आदि भी उनके कंठ से अपने श्रेष्ठतम स्वरूप में निःसृत होते थे।

'धीरे-धीरे मचल ऐ दिल-ए-बेकरार' में नवविवाहिता की मुग्धता, 'जोगी जब से तू आया मेरे द्वारे' में नव यौवना की प्रेम अनुभूतियाँ, 'कुछ दिल ने कहा, कुछ भी नहीं' में रहस्यवाद, 'तुम्हीं मेरे मंदिर, तुम्हीं मेरी पूजा' में भारतीय अर्द्धांगिनी का संपूर्ण समर्पण, और ऐसे ही हजारों गीतों में भावनाओं की विविधता का इतना सुंदर प्राकट्य लता जी के स्वर के बिना संभव था क्या? जैसे सदाचारी तपस्वियों की अपनी आभा होती है, लता जी के स्वर में दिव्यता मौजूद होती थी। जब वे गाती थीं, 'कहाँ ले चले हो बता दो मुसाफिर' तो श्रोता सम्मोहित होकर अनजाने संसार में जाने के लिए उद्यत हो जाता है। 'आ जा रे परदेशी' की पुकार किसी को भी उस पार खींच लेगी। लोरियाँ सबसे अधिक लता जी ने गाई होंगी। बच्चों को जितनी बार उन्होंने स्वर उधार दिए, उतना मौक़ा और किसे मिला होगा? भजन फिल्मी हों या गैर फिल्मी, लता जी उन्हें भावपूर्ण बना देती थीं। फिल्मों की बेहतरीन गजलें उनके हिस्से में आई हैं। 'ऐ मेरे वतन के लोगों' जैसी अमर रचना के साथ पूरा न्याय उन्होंने किया। कवि प्रदीप के शब्दों को लता जी के स्वर में सुनते हुए किसका दिल नहीं भर आता? वे 'आ जान-ए-जां, आ मेरा ये हुस्न जवां' जैसा बेहतरीन कैबरे गाती हैं तो 'अल्ला तेरो नाम ईश्वर तेरो नाम' जैसा भजन भी। वे चुलबुले 'तेरा जादू न चलेगा ओ सँपेरे' में मस्ती भर देती हैं तो 'ये शाम की तनहाइयाँ ऐसे में तेरा ग़म' से उदासी। यह तो उदाहरण मात्र हैं।

संगीतप्रेमियों के लिए लता जी वंदनीय हैं। उनके गाए गीतों पर पीएच.डी. की जा सकती है। सन 1960 में हृषिकेश मुखर्जी की फिल्म 'अनुराधा' में उन्होंने पंडित रविशंकर जी के संगीत निर्देशन में पहली बार गाया। यह संयोग तब दुर्लभ श्रेणी का बन गया जब पहले पंडित रविशंकर और बाद में लता मंगेशकर को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से विभूषित किया गया। लता जी कभी हृषि दा' की फिल्मों में गाने का पारिश्रमिक नहीं लेती थीं, खास अलग रिश्तों के कारण। 'अनुराधा' में लता जी का गाया 'साँवरे साँवरे' एकमात्र ऐसा गीत है जिसमें पंडित रविशंकर जी ने स्वयं सितार बजाई है।

लता जी के समकालीन संगीतकार, गायक और अभिनेत्रियों में शायद ही कोई हो जिसने उनके साथ काम न किया हो। जिन्होंने कभी उनके साथ काम नहीं किया या कुछ समय के लिए उनसे दूरी बना ली, पता नहीं उन्होंने कितना कुछ खोया और जनसामान्य को कितनी मधुर सौग़ातों से वंचित किया।

एकादशी पर संकीर्तन के साथ निकलेगी प्रभात फेरी

बैतूल। आगामी आठ फरवरी को एकादशी के शुभ अवसर पर सुबह 5.30 बजे से श्री लीला बाबा मंदिर से प्रभात फेरी निकलेगी, जो नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए शंकर नगर स्थित श्री माता मंदिर पहुंचेगी। प्रभात फेरी यात्रा के प्रभारी संदीप राने ने बताया कि इस फेरी का आयोजन हर एकादशी पर्व पर श्री लीला बाबा मंदिर द्वारा किया जाता है, जिसकी शुरुआत कुछ समय पूर्व की गई। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस बार भी प्रभात फेरी का आयोजन किया जा रहा है। श्री माता मंदिर समिति शंकर नगर के नंदू मामा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रभात फेरी के मंदिर पहुंचने पर श्रद्धालुओं का स्वागत-सत्कार किया जाएगा, जिसके बाद भजन-कीर्तन का आयोजन होगा। इसके पश्चात यात्रा पुन~ श्री लीला बाबा मंदिर के लिए प्रस्थान करेगी। इस धार्मिक आयोजन को लेकर संदीप राने एवं नंदू मामा ने नगर के सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में इस यात्रा में सम्मिलित होने की अपील की है।

बीच सडक़ में हैंडपंप बना मुसीबत, कार्रवाई की मांग

बैतूल। सदर क्षेत्र के शास्त्री वार्ड में बीच सडक़ पर लगा सुखा हैंडपंप इन दिनों वार्डवासियों और आने-जाने वाले वाहन चालकों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गया है। वार्ड में कई दिनों से यह हैंडपंप पानी नहीं दे रहा, लेकिन इसका स्थान सडक़ के बीचोंबीच होने के कारण बड़ी गाडिय़ां आने-जाने में बाधा झेल रही हैं। वार्ड के देवानंद गुदवारे का कहना है कि इस हैंडपंप का उपयोग अब नहीं हो रहा है, और यह यातायात में बाधा उत्पन्न कर रहा है। शास्त्री वार्ड के निवासियों ने नगर पालिका से मांग की है कि इसे तुरंत हटाया जाए ताकि ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू किया जा सके। वार्डवासी बताते हैं कि इस समस्या की वजह से कई बार हादसे होते-होते बचे हैं। बड़ी गाडिय़ों को इस संकरी जगह से निकलने में मुश्किलें होती हैं। नगर पालिका से जल्द से जल्द इस हैंडपंप को हटाने की मांग की गई है।

वर्कशॉप में 50 फोटोग्राफरों ने लिया भाग

फोटोग्राफी के नए ट्रेंड्स और बिजनेस ग्रोथ पर हुई चर्चा

बैतूल। गंज स्थित जायका रेस्टोरेंट में 4 फरवरी को कैनन कंपनी द्वारा फोटोग्राफी की वर्कशॉप आयोजित की गई, जिसमें जिलेभर से 50 फोटोग्राफरों ने भाग लिया। इस वर्कशॉप में फोटोग्राफी की नई तकनीकों के साथ-साथ बिजनेस ग्रोथ और अधिक आय के तरीकों पर विस्तृत जानकारी दी गई। वर्कशॉप में कैनन कंपनी की ओर से मेंटर हरभजन सिंह ने फोटोग्राफी के आधुनिक ट्रेंड्स, कैमरा सेटिंग्स और प्रोफेशनल फोटोग्राफी के गुर सिखाए। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि फोटोग्राफर्स अपने व्यवसाय को कैसे बढ़ा सकते हैं और इससे अधिक आय अर्जित कर सकते हैं। यह कार्यक्रम संजय मालवी और अजय कावडक़र द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें सभी फोटोग्राफरों का सहयोग मिला। आयोजकों ने कहा कि यदि इसी तरह समर्थन मिलता रहा, तो भविष्य में और भी बड़ी कंपनियों की वर्कशॉप आयोजित की जाएंगी, जिससे जिले के फोटोग्राफरों को नवीनतम तकनीकों की जानकारी मिलती रहेगी।

मोतियाबिंद जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर आज

बैतूल। युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल एवं चिरायु मेडिकल कॉलेज अस्पताल बैरागढ़ भोपाल के तत्वाधान में आज 6 फरवरी दिन गुरुवार को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक विशाल मोतियाबिंद जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन कृष्ण मंदिर के पास सब्जी मंडी गंज बैतूल में आयोजित किया जाएगा। शिविर का लाभ लेने के लिए आधार कार्ड ,समग्र आईडी या आयुष्मान कार्ड की छाया प्रति लेकर आना जरूरी है। संगठन के पदाधिकारियों ने सभी से मोतियाबिंद जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर का लाभ लेने का आग्रह किया है।

लाखों सीताराम पुस्तिका पहुंचेगी अयोध्या

बैतूल। श्री रामसुभग दास फट्टी बाबा 1008 की पुण्यतिथि 8 मार्च को अयोध्या में मनाई जाएगी। जिसमें श्री सीताराम नाम लेखन पुस्तिका वाल्मिकी भवन अयोध्या में श्री सीताराम नाम बैंक में जमा करना है। सामूहिक पासबुक (सीताराम पुस्तिका)10 मार्च 2011 से 18 मार्च 2024 तक दो करोड़ श्री सीताराम राम लेखन जप पुस्तिका जमा हो चुकी है। सेवानिवृत्त पटवारी कचरू देखमुख देशबंधु वार्ड के घर अभी तक सीताराम नाम की लाखों पुस्तिका जमा हो चुकी है। जिसे लेकर वह 4 मार्च को अयोध्या जा रहें है। श्री देशमुख ने बताया कि वह यह पुस्तिका को राम भक्तों को निशुल्क देते हैं जिसमें सीताराम-सीताराम निरंतर लिखना होता है। श्री देशमुख ने अनुरोध किया है कि जिनको पुस्तिका दी है वह लिखकर घर लाकर दे दें जिससे वह अयोध्या ले जाकर जमा कर सकें।

मशीन में फंसा मजदूर का हाथ चार उंगलियां कटी

बैतूल। गुड़ बनाने की फैक्ट्री में एक मजदूर की चार उंगलियां गन्ना पेराई मशीन में कट गईं। घटना भडूस गांव की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोला मंडई निवासी 28 वर्षीय जगू परते गन्ना पेराई का काम कर रहा था, तभी मशीन में गन्ना डालते समय अचानक उसका हाथ फंस गया। साथी मजदूरों ने तुरंत 108 एंबुलेंस को सूचना दी। इसके बाद घायल को तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। सर्जिकल स्पेशलिस्ट डॉ. रंजीत राठौर की देखरेख में इलाज किया गया। डॉक्टरों ने बताया कि उंगलियों का आगे का हिस्सा कट गया है। चोट की गंभीरता जानने के लिए एक्सरे कराया कराया है।

विवेकानंद वार्ड में दादाजी धूनी वाले की रथ यात्रा का हुआ आगमन

बैतूल। विवेकानंद वार्ड में इस वर्ष भी श्री दादाजी धूनी वाले की रथ यात्रा का शुभ आगमन मुन्नालाल साहू (काका) के निवास स्थान पर हुआ। हर वर्ष की तरह इस बार भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ 5 फरवरी को दोपहर 2 बजे दादाजी के नाम की आरती, कीर्तन और भजन के साथ हुआ। इसके बाद शाम 4 बजे से दादाजी नाम जाप का आयोजन किया गया। शाम 6 बजे श्री दादाजी धूनी वाले की महाआरती संपन्न हुई, आरती के पश्चात रात्रि 7.30 बजे से भोजन प्रसादी वितरित की गई।

साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने पुलिस चला रही अभियान

मोबाइल पर आने वाली हर लिंक सुरक्षित नहीं, सोचकर करे सेफ क्लिक

बैतूल। लोग साइबर क्राइम के शिकार हो रहे है। साइबर क्राइम के प्रति लोगों का जागरूक करने के लिए पुलिस ने सेफ क्लिक अभियान की शुरूआत की है। जिसमें बताया जा रहा है कि बैंकिंग फ्रॉड से बचने के लिए किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करे। फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल, एनीडेस्क/टीम व्यूअर जैसे रिमोट एक्सेस एप्स डाउनलोड करने से बचे। साइबर ठग किसी को नहीं छोड़ रहे हैं। समाज के हर वर्ग को किसी न किसी तरीके से चंगुल में ले रहे हैं। इनसे सतर्क रहने के लिए पुलिस समय-समय पर लोगों को जागरूक भी करती है, लेकिन ठग, ठगी के नये-नये तरीके निकाल ही लेते है। साइबर ठग फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर लोगों को डराते-धमकाते है और अपना निशाना बनाते है। लोग भी डर की वजह से आसानी से इनका शिकार बन जाते है, तो वहीं विभिन्न लिंक भेजकर लालच देते है। इसलिए मोबाइल पर आने वाली हर लिंक पर क्लिक करने से बचे और साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल नेशनल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल लगाकर शिकायत दर्ज कराये।

इन विषयों पर दी जा रही जानकारी

सोशल मीडिया हैंडलिंग, सायबर फ्रॉड, ओटीपीफ्रॉड, फेक प्रोफाइल, वर्तमान परिवेश में एआई के प्रयोग, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन गेमिंग एप्स, स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग फ्रॉड, अनजान लिंक्स पर क्लिक न करने, लुभावने एवं आकर्षक दिखने वाले ऑफर्स की सत्यता की जानकारी जाने बिना किसी प्रकार का कोई लेन-देन न करने के बारे में बताया जा रहा है। अपरिचित सोर्स से एपीके फाइल डाउनलोड न करने आदि के संबंध में भी बताया जा रहा है। सायबर फ्रॉड होने पर परिजनों को इस संबंध में जानकारी देने एवं सूचना सायबर हैल्पलाइन नंबर 1930 या सायबर हैल्पलाइन की आधिकारिक वेबसाइट पर किए जाने के बारे में जानकारी दी जा रही है।

क्या है ऑपरेशन सेफ क्लिक

राज्य सायबर मुख्यालय द्वारा सायबर अपराधों की रोकथाम पर ध्यान दिया जा रहा है। आमजन को सायबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 1 फरवरी से 11 फरवरी तक विशेष सायबर सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसे सेफ क्लिक नाम दिया गया है। अभियान का मुख्य उद्देश्य शहरी के अलावा ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले किसानों, बच्चों और महिलाओं सायबर संबंधी अपराधों के संबंध में जागरूक करना है। सेफ क्लिक अभियान के लिए बैतूल पुलिस द्वारा 11 दिवसीय कार्ययोजना तैयार की गई है। जिसमें सोशल मीडिया, पोस्टर, पम्पलेट, वर्कशॉप, नुक्कड़ नाटक आदि के माध्यम से भी अभियान को व्यापक रूप दिया जा रहा है। जिससे अधिक से अधिक लोग जागरूक होकर साइबर अपराधों से सुरक्षित रह सकें।

पुलिस के मुताबिक क्या करें और क्या न करें

क्या करें....

(1) फोन के जरिए अवैध गतिविधियों में संलिप्त होने के नाम पर डराकर डिजीटल अरेस्ट कर पैसे ऐंठे सकते हैं। ऐसे कॉल्स से सावधान रहें।
(2) लॉटरी, ईनाम, केशबेक, केबीसी लकी ड्रॉ, जॉब, लोन, बीमा आदि के लुभावने से सावधान रहें।
(3) किसी कंपनी के कस्टमर केयर नंबर के लिए उनकी आधिकारिक वेबसाइट्स का ही प्रयोग करें। कस्टमर केयर नंबर को सर्च इंजन पर खोजने से बचें।
(4) ऑनलाइन शॉपिंग विश्वसनीय एवं प्रमाणित ई-कॉमर्स वेबसाइट्स या एप्स का ही प्रयोग करें।
(5) हमेशा सुनिश्चित करें आपके नंबर की कॉल्स किसी अन्य अनजान नंबर पर फॉरवर्ड न हों।
(6) पेंशन के संबंध में यदि कोई ट्रेजरी, पेंशन अधिकारी बनकर कॉल करता है तो पहले संबंधित विभाग से कन्फर्म कर लें।

क्या न करें....

(1) जालसाज के कहने पर स्काइप आदि वीडियो कॉलिंग एप्स डाउनलोड न करें।
(2) शेयर मार्केट, क्रिप्टो करंसी आदि में निवेश पर कम समय में अधिक लाभ के प्रलोभन में न पड़ें। ऐसे फर्जी शेयर ट्रेडिंग प्लेटफार्म एप में ट्रेडिंग से बचें।
(3) यदि आपको कोई यूपीआई पेमेंट करता है और वह कहता है कि आप पेमेंट स्वीकार करें तथा यूपीआई पिन एंटर करें तो ऐसा न करें। हमेशा ध्यान रखें पेमेंट करने के लिए यूपीआई पिन डालना होता है, पेमेंट प्राप्त करने के लिए नहीं।
(4) फोन पर किसी के कहने पर कोई एप्लीकेशन अपनी डिवाइस पर इंस्टॉल न करें, और न ही इनका एक्सेस कोड बताएं।

इनका कहना है –

साइबर अपराध से बचने के लिए जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है। नागरिकों को चाहिए कि वे किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि के बारे में तुरंत साइबर पुलिस को रिपोर्ट करें।

– **निश्चल एन. झारिया,** पुलिस अधीक्षक बैतूल

युवक के घर से गौ मांस बरामद, आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। आठनेर पुलिस को सूचना मिली थी कि वार्ड क्रमांक 11 के एक घर के पीछे गौवंश मांस रखा है। सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची, जहां दो व्यक्ति टीन शेड से भाग गए, जबकि एक व्यक्ति मौके पर मौजूद मिला। आठनेर पुलिस ने मौके से गौवंश के समान अवशेष, औजार एवं अन्य सामग्री बरामद किये। आरोपी हामिद कुरैशी (50 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया, जबकि अन्य आरोपी सबदर कुरैशी और नाजिया फरार हैं। आरोपी के घर से

एल्यूमिनियम के डिब्बे और प्लास्टिक ड्रम में संभावित गौवंश के समान मांस बरामद किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश अनुसार आठनेर पुलिस द्वारा पशु चिकित्सक को मौके पर बुलाकर मांस को विधिवत परीक्षण के लिए सुरक्षित किया गया। जिसे गोवंश के मांस की पुष्टि के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला मथुरा भेजा जाकर पुष्टि कराई जाएगी की काटा गया मांस गोवंश का है अथवा नहीं। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला अपराध सदर का पाए जाने के कारण गिरफ्तार आरोपी हामिद कुरैशी एवं फरार आरोपियों सबदर कुरैशी व नाजिया के खिलाफ गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम की धारा 4/9, 5/9, पशु क्रुरता अधिनियम की धारा 11(घ) एवं भारतीय दंड संहिता की धारा 298 के तहत मामला पंजीबद्ध कर जांच प्रारंभ की गई है।

विश्व कैंसर दिवस पर विद्यार्थियों ने निकाली जन जागरूकता रैली

जन सामान्य को तम्बाकू सेवन के दुष्परिणामों की दी जानकारी

बैतूल। भारत-भारती जामठी स्थित ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल में विश्व कैंसर दिवस मनाया गया। इस अवसर पर शपथ ग्रहण, जन जागरूकता रैली तथा निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने महाविद्यालय के शिक्षक, शिक्षकोत्तर स्टॉफ, हॉस्पिटल स्टॉफ एवं विद्यार्थियों को कैंसर कारकों को अपने जीवन से दूर करते हुए बैतूल से कैंसर मुक्त भारत की परिकल्पना को साकार करने की शपथ दिलवाई। इसके बाद महाविद्यालय परिसर से विद्यार्थियों ने जन जागरूकता रैली निकाली, जो प्रमुख मार्गो से होते हुए वापस विद्यालय परिसर पहुंची। इस दौरान विद्यार्थियों ने रैली के माध्यम से जन सामान्य को कैंसर से होने वाले नुकसान एवं कैंसर मुक्त देश के लिए तम्बाकू के सेवन को त्यागने की समझाईश दी।

शिविर में मरीज को दी स्वास्थ्य संबंधी सलाह– विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में स्थित श्री ओम हॉस्पिटल में निशुल्क स्वास्थ परिक्षण एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन भी किया गया। शिविर में रोगियों की जांच कर नि~शुल्क उपचार किया गया। इस दौरान शिविर में आए मरीजों को डॉक्टरों ने स्वास्थ्य संबंधी सलाह देते हुए नियमित योग करने, पर्याप्त नींद लेने तथा पोषण युक्त भोजन करने की बात कही।

बैतूल की लोक नृत्य टीम ने राज्य स्तरीय युवा उत्सव में प्राप्त किया द्वितीय स्थान

जेएच कॉलेज की टीम ने राज्य स्तरीय युवा उत्सव में मारी बाजी

बैतूल। इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 3 से 5 फरवरी तक हुआ, जिसमें पीएम श्री एक्सीलेंस कॉलेज जयवंती हॉक्सर महाविद्यालय की लोक नृत्य टीम ने बरकतुल्लाह यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर के 14 विश्वविद्यालयों ने भाग लिया, जहां एक्सीलेंस कॉलेज की टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन से सबका दिल जीत लिया। कार्यक्रम में पूर्व संस्कृति मंत्री और विधायक ऊषा ठाकुर, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के पूर्व कुलपति, महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। लोक नृत्य दल का निर्देशन बैतूल के प्रसिद्ध कलाकार महेश इंगले द्वारा किया गया। उनकी कुशल निर्देशन में टीम ने अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया और उपविजेता बनी। इस गौरवशाली जीत में दल के शिवानी मोहबे, अवंतिका मेलवंशी, पंकज कुमरे, समीर पासे, गंगा बडग़रिया, मनीषा सिरसाम, कंचन धुर्वे, कौशल्या उइके, संगतकार रमन कुमरे, राजेश कवडेती और सुनील ढोलकर का महत्वपूर्ण योगदान रहा। महाविद्यालय परिवार और जिले के वरिष्ठ कलाकारों ने इस उपलब्धि पर टीम को शुभकामनाएं दीं और उज्जवल भविष्य की कामना की।

वैश्य महिला इकाई ने मनाया बसंत उत्सव

बैतूल। वैश्य महासम्मेलन की महिला इकाई द्वारा बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन कर बसंत उत्सव का आयोजन किया। इस अवसर पर महिलाओं द्वारा पीले वस्त्र धारण किए गए थे। यह उत्सव बसंत पंचमी की पारंपरिक और सांस्कृतिक भावना को दर्शाता है। वैश्य समाज की राखी खंडेलवाल, आभा गर्ग, नूतन लुहाडिय़ा, माधुरी खंडेलवाल, अंजू खंडेलवाल, ममता खंडेलवाल, सरिता खंडेलवाल, पूनम मेहता, पूनम खंडेलवाल, शोभा वर्मा, राजकुमारी जैन और श्रद्धा खंडेलवाल की उपस्थिति में यह आयोजन किया गया।

महिला युवा वाहिनी ने मनाया परंपरा और संस्कृति का उत्सव

प्रदेश अध्यक्ष कविता मालवी ने महिलाओं को सामाजिक कार्यों में भागीदारी के लिए किया प्रेरित

बैतूल। महिला युवा वाहिनी महिला संगठन ने हर साल की तरह इस बार भी हल्दी-कुमकुम का आयोजन बहुत ही भव्य और उत्साहपूर्ण तरीके से किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आई अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गौरवांवित किया। सामाजिक और सांस्कृतिक परंपरा को सहेजते हुए इस कार्यक्रम में महिला शक्ति का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूजा हॉस्पिटल की संचालिका राठौर मैडम, समर्पण हॉस्पिटल की प्रतिभा रघुवंशी और नम्रता मैडम उपस्थित रहीं। इनके अलावा वार्ड की पार्षद ममता मालवी, विश्वकर्मा महिला संगठन की जिला अध्यक्ष अर्चना मालवी, प्रमुख सुषमा मालवी, विमला मालवी ने भी विशेष भागीदारी की। राष्ट्रीय युवा हिंदू वाहिनी महिला संगठन की जिला अध्यक्ष लता सोनी, प्रदेश महामंत्री सरिता पवार, सचिव पिंकी नामदेव, पुष्पलता, गायत्री

नागवंशी, अलका मालवी और रानू मालवी भी इस आयोजन में शामिल रहीं। संगठन की प्रदेश अध्यक्ष कविता मालवी ने भी अपनी प्रेरणादायक उपस्थिति से महिलाओं को एकजुटता और सामाजिक कार्यों में अधिक भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में हल्दी-कुमकुम के माध्यम से मातृशक्ति ने आपसी एकता और संगठन की ताकत को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में सभी महिलाओं ने आपसी सद्भाव और समर्पण की भावना के साथ सहयोग किया। इस दौरान अतिथियों ने समाज में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने का आह्वान किया। इस आयोजन ने सांस्कृतिक और परंपरागत रूप से महिलाओं की भूमिका को उजागर किया, साथ ही समाज में उनकी प्रगतिशील सोच और सकारात्मक प्रभाव को भी प्रदर्शित किया। महिला युवा वाहिनी संगठन का यह आयोजन सभी के लिए प्रेरणादायक और यादगार साबित हुआ।

शिवराज ने महाकाल को दिया बेटों की शादी का न्यौता

परिवार के साथ गर्भगृह में की पूजा-अर्चना मंदिर समिति ने किया सम्मान

उज्जैन (नप्र)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान पत्नी साधना सिंह और दोनों बेटे के साथ उज्जैन पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान महाकाल को अपने दोनों बेटों के विवाह का आमंत्रण दिया। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने गर्भगृह में पूजन-अभिषेक कर नंदी हॉल में ध्यान लगाया।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह दोपहर करीब 2.30 बजे अपने परिवार के साथ श्री महाकाल मंदिर पहुंचे। पूजन के दौरान उन्होंने महाकाल भगवान से आशीर्वाद लेकर बेटे कुणाल और बेटे कार्तिकेय की शादी की पत्रिका उन्हें अर्पित किया। पूजन के पश्चात मंदिर समिति की ओर से चौहान और उनके परिवार का सम्मान किया गया।

करोंद मंडी में नए गेहूं बिक्री की शुरुआत

3 हजार 661 क्विंटल बिका, फरवरी में बंपर आवक शुरू होगी

भोपाल (नप्र)। भोपाल की करोंद अनाज मंडी में बुधवार से नए गेहूं का 'श्रीगणेश' हो गया। कुल 15 क्विंटल गेहूं बिकने पहुंचा। जिसे 3661 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीदा गया। मंडी व्यापारी संजीव जैन ने बताया, फरवरी में नए गेहूं की बंपर आवक होगी। अबकी

बार गेहूं की अच्छी फसल आई है।

नए गेहूं की खरीदी से पहले व्यापारियों ने पूजा-अर्चना भी की। व्यापारी जैन के अनुसार, यह गेहूं सीहोर रोड स्थित ग्राम एटखेड़ा निवासी कृषक भूरासिंह का था। नीलामी में 3661 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से हर्ष मार्केटिंग के व्यापारी भारत ने गेहूं खरीदा।

व्यापारियों के चेहरे भी खिले

बुधवार को मंडी में जब नया गेहूं बिकने पहुंचा तो व्यापारियों के चेहरे भी खिल उठे। व्यापारियों ने किसान का साफा बांधकर और फूल माला पहनाकर स्वागत किया। व्यापारी जैन ने बताया कि 15 फरवरी के बाद गेहूं की बंपर आवक शुरू हो जाएगी।

अबकी बार अच्छी आवक की उम्मीद

व्यापारी जैन ने बताया कि इस बार गेहूं की फसल अच्छी हुई है। ऐसे में उत्पादन में 25 से 30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी होगी। इसलिए 15 दिन बाद करोंद मंडी में नए गेहूं की बंपर आवक होने की उम्मीद है।

सिंहस्थ मेले की डीपीआर 15 अप्रैल तक होगी तैयार

जून से शुरू होंगे मेला क्षेत्र में होने वाले काम, अस्पताल, पानी, बिजली की प्लानिंग

भोपाल (नप्र)। उज्जैन सिंहस्थ मेला क्षेत्र के विकास के लिए आगामी 15 अप्रैल तक डीपीआर तैयार कर ली जाएगी। भवन अनुज्ञा का कार्य आगामी 15 जून तक कर लिया जाएगा और 25 जून से कार्य प्रारंभ होगा। सिंहस्थ मेला क्षेत्र में नगर विकास योजना की कार्ययोजना तैयार कर कार्य की शुरुआत जून 2025 से युद्ध स्तर पर की जाएगी।

यहां 200 एमएलडी पेयजल क्षमता का मेला क्षेत्र में विकास किया जाएगा। सीवर नेटवर्क डिजाइन के अंतर्गत सिंहस्थ के दौरान मेला क्षेत्र में 160 एमएलडी का सीवरेज जनरेशन होगा जिसमें 100 एमएलडी क्षमता के स्थाई एसटीपी निर्माण किए जाएंगे और अस्थाई रूप से 60 एमएलडी क्षमता के सीवरेज का निष्पादन किया जाएगा। यहां होने वाले विकास कार्यों की तैयारियों की समीक्षा जापान से लौटने के बाद अपर मुख्य सचिव डॉ राजेश राजौरा ने की। उन्होंने उज्जैन में चल रहे कई निर्माण कार्यों का निरीक्षण भी किया है।

पानी का इंतजाम कैसे करेंगे यह भी तय कर रही सरकार- सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं की मौजूदगी के चलते प्रतिदिन उज्जैन शहर में पानी की कितनी डिमांड होगी। इसके आधार पर भी व्यवस्था बनाने पर सरकार फोकस कर रही है। वर्तमान में उज्जैन शहर की जनसंख्या लगभग 8.65 लाख है। इसमें प्रतिदिन पेयजल की मांग 178.28 एमएलडी है। अम्बोदिया, गऊघाट, साहिबखेड़ी और उंडासा के जलाशयों को मिलाकर कुल पानी की क्षमता 151.01 एमएलडी है। प्रस्तावित सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना से 51 एमसीएम, नर्मदा-गंभीर लिंक परियोजना से 58.34 एमसीएम पेयजल की सप्लाई

की जा सकेगी। इसके अलावा न्यू अम्बोदिया की 68 एमएलडी पेयजल क्षमता की परियोजना प्रस्तावित है। साथ ही 860 करोड़ रुपए की लागत से हरियाखेड़ी परियोजना पर 100 एमएलडी पेयजल क्षमता की परियोजना का विकास भी किया जा रहा है।

6 सेक्टर में बंटेगा सिंहस्थ मेला जोन- मेडिसिटी बना रहे, 550 बिस्तर का मिलेगा अस्पताल- उज्जैन में स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार पर भी सरकार ने ध्यान केंद्रित किया है। बीडीसी (भवन विकास निगम) के द्वारा मेडिसिटी का निर्माण किया जा रहा है। इसकी लागत कुल 592.3 करोड़ रुपए है। इसमें 550 बिस्तर की क्षमता होगी। सिंहस्थ में जनसंख्या के पीक लोड वाले दिनों में विस्तार योग्य क्षमता जोड़ी जाएगी तथा सामान्य दिनों में स्वास्थ्यकर्मियों और संसाधनों की क्षमता के अनुरूप कार्य योजना बनाई जाएगी। इसके अंतर्गत 500 अस्थायी अस्पताल बनाए जाएंगे और कैम्प लगाए जाएंगे। स्वास्थ्य सुविधाओं को सिंहस्थ मेला क्षेत्र के अनुसार 6 जोन में बांटा जाएगा। स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटल रिकॉर्ड मेंटेन किया जाएगा। डॉक्टर और पेरामेडिकल स्टाफ की ट्रेनिंग आयोजित की जाएगी। सिंहस्थ के गर्मी के मौसम में आयोजन को दृष्टिगत रखते हुए इलेक्ट्रोलाइट की उपलब्धता समस्त मेला क्षेत्र में जगह-जगह तय की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा आपदा की स्थिति में कार्ययोजना स्टेट यूनिट के साथ मिलकर बनाई जाएगी। मेले के दौरान बर्न यूनिट, एम्बुलेंस की सुविधा, ब्लड बैंक, ट्रॉमा सेंटर आदि की सम्पूर्ण तैयारी रखने पर फोकस किया जा रहा है। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग का विशेष ध्यान हैजा और अन्य मौसम जनित बीमारियों और आपदा प्रबंधन के रिस्पांस पर भी ध्यान रखा जाएगा। स्वास्थ्य प्लान में आयुष विभाग को भी जोड़ा जाएगा।

साफ सफाई के लिए 16220 सफाई कर्मियों के जरूरत- सिंहस्थ में साफ-सफाई व्यवस्था की कार्ययोजना की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि सड़क एवं अन्य सफाई कर्मियों को मिलाकर 11 हजार 220 सफाईकर्मियों की आवश्यकता होगी। इसके अलावा कचरा संग्रहण के लिए लगभग 5 हजार सफाई कर्मियों की आवश्यकता होगी। कुल मिलाकर 16 हजार 220 सफाई कर्मियों की आवश्यकता सिंहस्थ में होगी। इस स्थिति को ध्यान में रखने के साथ ऑउटसोर्स एजेंसी के कार्यों की मॉनिटरिंग की जाने तथा इसका समय-समय पर फॉलोअप पर भी फोकस किया जाएगा।

ऐशबाग पुलिस का एक और कारनामा उजागर

महिला का दावा- जुआ चलाने पुलिसकर्मी रकम उधार देते थे, लिखापढ़ी वायरल की

भोपाल (नप्र)। भोपाल की ऐशबाग पुलिस पर लगे जुए-सट्टे खिलाने के आरोपों के बीच क्षेत्र की महिला ने बड़ा दावा किया है। उसका आरोप है कि थाने के पुलिसकर्मी लोकेंद्र और अजय उनके पति पर जुआ और सट?टा खिलाने के दबाव बनाते थे। इस अवैध काम को शुरू करने के लिए उधार रकम भी थाने के एक पुलिसकर्मी ने ही इन दोनों के कहने पर दिया। रकम उधार देने की रजिस्टर्ड लिखापढ़ी की गई थी।

महिला ने इस लिखापढ़ी को भी वायरल किया है। इससे पहले महिला ने थाने के पुलिसकर्मियों द्वारा वसूलने के लिए उनके पति को कॉल किए जाने की ऑडियो वायरल कर दी थीं। जिसके बाद थाने के तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया। इधर, डीसीपी प्रियंका शुक्ला ने बताया कि अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका की भी जांच कराई जा रही है। जांच में आए तथ्यों के आधार पर इनके खिलाफ भी कार्रवाई तय करेंगे।

महिला बोली- हां पति जुआं चलाते थे पर पुलिस के कहने पर- एक सप्ताह पहले ऐशबाग पुलिस ने जवाहर कॉलोनी में रहने वाले फरहान खान को 110 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किए जाने के दावे किए थे। उसे एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल भी भेजा गया। इस कार्रवाई के बाद फरहान की पत्नी सामने आई थी। उसने दावा किया कि पति को घर से उठाकर फर्जी कार्रवाई की गई। स्टेडियम के करीब पटरी किनारे डरा धमकाकर उसे जबरन चरस पकड़ाई। इसके बाद उसका वीडियो शूट किया। जबकि इससे पहले उसे थाने के एक पुलिसकर्मी की काले रंग की स्कॉर्पियो में अलग-अलग स्थानों पर घुमाया गया था। यह वीडियो हमने बनाया था। कार्रवाई से दो दिन पहले से लोकेंद्र, अजय और पवन रघुवंशी ने जुआ की बंदी बढ़ाने का दबाव बनाया था।

पति ने तंग आकर जुआ हमेशा के लिए बंद करने की बात उनसे कही थी। रेशमा का साफ कहना है कि हां पति तीन सालों से जुआ चला रहे थे। लेकिन पुलिस का पूरा संरक्षण था। हम लोकेंद्र और अजय को 8 हजार रुपए हफ्ता जबकि थाने के एक अधिकारी को दस हजार रुपए हफ्ता देते थे। पवन रघुवंशी को तीन हजार रुपए हफ्ता तथा अन्य को एक हजार से दो हजार रुपए तक 10 पुलिसकर्मियों को देते थे। दबाव बनाया जा रहा था कि अधिकारी को 15 हजार जबकि लोकेंद्र और अजय को दस-दस हजार रुपए दिए जाएं। फरहान की पत्नी का दावा है कि इस स्कॉर्पियो में पति को दिन भर अलग-अलग स्थानों पर घुमाया, फिर एनडीपीएस की कार्रवाई की।

जब पति ने काम बंद करने की बात कही तो उसे जेल भेजने की धमकी एक दिन पहले कॉल पर दी गई थी। अगले ही दिन उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। हमने रिकार्डिंग वायरल की तो भाई अली अब्बास को भी जेल भेजने की धमकी दी जाने लगी। जबरन घर में घुसी पुलिस ने तीन मोबाइल फोन जब्त कर लिए। इनमें थाने के अधिकांश पुलिसकर्मियों से बातचीत की रिकार्डिंग थी। जब परेशान होकर मैने सोशल मीडिया पर केस से जुड़े तमाम सबूत वायरल करना शुरू किए तो मुझे भी झूठे केस में फंसाने की धमकी दी जाने लगी है। मेरे पास मौजूद रजिस्टर्ड लिखा पढ़ी की जांच कराएं। थाने में पदस्थ पुलिसकर्मी ने अपनी पत्नी के नाम से यह एग्रीमेंट किया। हमें रकम उधार दी गई थी। इसी रकम से हमने जुआ कारोबार शुरू किया था।

सालों से एक ही थाने में हैं पदस्थ

लोकेंद्र और अजय लंबे समय से थाना ऐशबाग में पदस्थ हैं। लोकेंद्र का पूर्व में क्राइम ब्रांच में ट्रांसफर हुआ था, इसके बाद दोबारा उसने ऐशबाग थाने में ही ट्रांसफर कराया। इसी तरह अजय भी ट्रांसफर होने के बाद ऐशबाग थाने लौट आते हैं। दोनों कई बार इस थाने से ट्रांसफर के बाद लौटे हैं।

महिला के बयान दर्ज

पुलिसकर्मियों की मिली भगत से जुआ चलाने की जांच शुरू कर दी गई है। ऐशबाग एसीपी को इस मामले की जांच सौंपी गई है। मंगलवार को पुलिस अधिकारी रेशमा के घर पहुंचे और उसके बयानों को दर्ज किया। उसने अधिकारियों को कॉल रिकार्डिंग सौंप दी है।

इसी के साथ जो पुलिसकर्मी वसूली के लिए कॉल किया करते थे, उनके नंबर भी दिए गए हैं। अब सीडीआर के आधार पर आगे कार्रवाई तय होगी। रेशमा का आरोप है कि मुख्य रूप से लोकेंद्र, अजय और पवन वसूली करते थे। उन पर तो कार्रवाई तय की नहीं, अन्य तीन को सस्पेंड किया गया है।

ऐसे प्रकाश में आया मामला

रविवार की रात को फरहान के साले अली अब्बास ने घर में जहरीला पदार्थ खा लिया था। उसका आरोप था कि पुलिस की प्रताड़ना से तंग आकर जहर खाया है, ऐशबाग पुलिस उसे एनडीपीएस के फर्जी केस में जेल भेजना चाहती है।

पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं को प्रकृति भ्रमण कराया गया

दमोह। शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय दमोह के इको क्लब के द्वारा पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जी.पी. चौधरी के अध्यक्षता में प्रकृति भ्रमण कराया गया, प्रकृति भ्रमण मढ़कोलेश्वर सीतानगर में कराया गया जहां तीन नदियों का संगम एवं प्राचीन मंदिर के बारे में छात्राओं को जानकारी दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम की प्रभारी प्रीति वर्मा, बृजेश मौर्य, डॉ आराधना श्रीवास, प्रिया थापा संतोष कुमार, 30 छात्राएं एवं महाविद्यालय से वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ रेखा जैन, डॉ अवधेश जैन, हरीश दुबे, सौरभ खरे उपस्थित रहे।

अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय की प्रबंधन समिति की बैठक

पन्ना। अपर कलेक्टर नीलाम्बर मिश्र की अध्यक्षता में बुधवार को पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पन्ना की विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक हुई। इस मौके पर समिति के सदस्यगण डॉ. एच. एस. शर्मा, एस. कुमार चंद्रपुरिया, अभिभावक प्रतिनिधि अरुण कुमार शर्मा एवं अमृता मानके, शिक्षक प्रतिनिधि हरिओम शरण भी उपस्थित रहे।

बैठक के आरंभ में विद्यालय प्राचार्य अमित दाहिया ने उपस्थितजनों का स्वागत कर बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस दौरान पूर्व में आयोजित बैठक के विषयों की समीक्षा भी की गई। विद्यालय एवं छात्रों से संबंधित एजेंडा के विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श कर अंतिम रूप प्रदान किया गया। बैठक में सीबीएसई की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा तथा विद्यालय स्तरीय परीक्षाओं के सुचारू रूप से संपन्न कराने के विषय में भी चर्चा की गई। विद्यार्थियों के शैक्षणिक भ्रमण के बारे में भी समिति को अवगत कराया गया। प्राचार्य द्वारा एकेडमिक गतिविधियों और आगामी निर्धारित कार्ययोजना के बारे में भी अवगत कराया गया।

एक साल से अटका भूअर्जन का मामला, दो घंटे में निपटा

भोपाल में कलेक्टर के पास पहुंचे थे बुजुर्ग, फटकार के बाद ट्रांसफर किए 50.40 लाख

भोपाल (नप्र)। भोपाल में मंगलवार को भूअर्जन के एक मामले को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने दो घंटे में ही निपटा दिया। 80 वर्षीय बुजुर्ग कलेक्टर के पास मुआवजा राशि के संबंध में पहुंचे थे। कलेक्टर ने तुरंत संबंधित अफसरों को तलब किया और 50.40 लाख रुपए की राशि ट्रांसफर करवा दी।

यह मामला बाग मुगालिया निवासी 80 वर्षीय श्याम बोहरे का था। एक साल पहले उन्होंने बोहरे के पक्ष में भूअर्जन और मुआवजा राशि का आदेश जारी किया था। मंगलवार को वे जनसुनवाई में कलेक्टर के पास पहुंचे थे। कलेक्टर ने राजधानी परियोजना (पीडब्ल्यूडी) के कार्यपालन यंत्री, एसडीओ और पंजीयन विभाग के सब रजिस्ट्रार को तत्काल तलब किया। इस मामले में कलेक्टर कोर्ट से पहले आदेश जारी हो चुके थे। कलेक्टर ने अफसरों से पूछा कि, मेरे आदेश पर अमल क्यों नहीं हुआ? बुजुर्ग को यहां तक क्यों आना पड़ा? इसके बाद अफसर हरकत में आए और दोपहर में रजिस्ट्री कराई गई। वहीं, शाम को जिला प्रशासन ने बुजुर्ग के खाते में 50.40 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए।

यह था मामला

राजधानी परियोजना (पीडब्ल्यूडी) ने कुछ लोगों की जमीन पर आशिमा माल से कटारा हिल्स तक 80 फीट सड़क बनाई थी। इस मामले में सात लोग कोर्ट चल गए। कोर्ट ने राजधानी परियोजना को जमीन अधिग्रहित कर मुआवजा राशि देने के आदेश दिए थे।

संबंधित लोगों से कहा था कि राजधानी परियोजना के पक्ष में रजिस्ट्री कराएं। इसके एवज में प्रशासन उनके खाते में राशि ट्रांसफर करेगा। करीब एक साल पहले कलेक्टर सिंह ने ही मुआवजा का आदेश दिया था। छह किसानों की जमीन की रजिस्ट्री होने के बाद उन्हें राशि मिल गई, लेकिन नरोन्हा प्रशासन अकादमी में लोक प्रशासन के फैकल्टी मेंबर रहे श्याम बोहरे अपनी जमीन की रजिस्ट्री और मुआवजा के लिए पीडब्ल्यूडी दफ्तर के 6 माह से चक्कर लगा रहे थे।

पिता के साथ खड़े बच्चे को बस ने कुचला, मौत

विदिशा में भीड़ ने बस में लगाई आग, तोड़फोड़ भी की, ड्राइवर-कंडक्टर फरार

सिरोंज (नप्र)। विदिशा जिले के सिरोंज में 8 साल के बच्चे को बस ने कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से गुस्साए लोगों ने बस में आग लगा दी। घटना दोपहर करीब 3.30 बजे आरोन मार्ग पर रोहिलपुरा चौराहे के पास की है।

बताया जा रहा है कि नटेरन तहसील के हिनौची निवासी कल्याण सिंह जाटव अपने बेटे सूरज जाटव के साथ सड़क किनारे खड़े थे। तभी आरोन से भोपाल की ओर जा रही शक्ति ट्रैवल्स की बस ने बच्चे को कुचल दिया। घटना के बाद मौके पर भीड़ इकट?ठा हो गई। लोगों ने बस में बैठी सवारियों को नीचे उतार लिया। इसके बाद पहले बस में तोड़फोड़ की और फिर उसमें आग लगा दी।

पुलिस ने कहा- किसी शरारती तत्व ने लगाई आग- घटना की सूचना पर एसडीओपी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात को संभाला। पुलिस ने बच्चे के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए राजीव गांधी अस्पताल भेजा है। एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी ने बताया कि घटना के बाद किसी शरारती तत्व ने बस में आग लगा दी। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। आग लगाने वालों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

खदान के पानी में करंट फैलने से मासूम की मौत

शौच करने के लिए बहन के साथ निकला था मासूम, हाथ धोते समय हुआ हादसा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के रातीबड़ थाना इलाके में स्थित एक खुली हुई खदान में शौच के बाद हाथ धोने गए मासूम की करंट लगने से मौत हो गई। पानी में हाथ डालते ही वह बेसुध होकर गिर गया। करंट से छाती बुरी तरह झुलस गई। हादसे के समय खदान में कट लगा हुआ बिजली का तार डूबा था। घटना मंगलवार की शाम की है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। बुधवार को पीएम कराया गया है।

घटना नीलबड़ के मिलेनियम कॉलेज के पास बरखेड़ा-नाथू की है। अनिल प्रजापति की खदान में आयुष (5) पिता मंगल पटेल को करंट लगा है। मृतक के पिता ने बताया कि बेटा शौच के लिए बहन के साथ खदान किनारे गया था। हाथ धोने के लिए गड?ढे के पानी में हाथ डाला। पानी में करंट फैला हुआ था। इससे बच्चा वहीं बेसुध होकर गिर गया। बहन ने शोर मचाया। यह देखकर लोगों ने मुझे सूचना दी। मैं पास के ही खेत में मजदूरी कर रहा था। तत्काल खदान में पहुंचा, वहां देखा की करंट का तार पानी में पड़ा है। इस तार को काटा और बच्चे को निकाला। तब तक बेटे की सांस चल रही थी। अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। बच्चा छाती के बल पानी में गिरा था। इससे उसकी छाती बुरी तरह से झुलस गई थी।

खेतों में पानी के लिए खदान का इस्तेमाल

मंगल ने बताया कि आस-पास के खेत वाले खेतों में पानी के लिए खदान के पानी का इस्तेमाल करते हैं। इसके लिए उन्होंने खदान में पंप लगा रखे हैं। जब हादसा हुआ तो एक खेत की मोटर चालू थी। इसी का तार पानी में गिरा हुआ था, जिससे पानी में करंट फैल चुका था। पुलिस ने पीएम के बाद शव बुधवार सुबह परिजनों को सौंप दिया है। मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

॥ मंदिरम् ॥

30

कमलेश्वर मंदिर, कर्नाटक

कमलेश्वर मंदिर जिसे कल्लेश्वर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, भगवान शिव को समर्पित यह मंदिर भारत के कर्नाटक राज्य के बीदर जिले के जलासांगवी गांव में स्थित है। यह मंदिर बीदर जिले के हुमनाबाद तालुक से लगभग 10 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में गांव के तालाब के पास बना है। कमलेश्वर मंदिर अपनी उत्कृष्ट सलभंजिका और मदनिका मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर का निर्माण बेसरा शैली में किया गया था, जो गर्भगृह में शिव लिंग के साथ उत्तर भारतीय नागरा और दक्षिण भारतीय चालुक्य का एक अनूठा मिश्रण है। शिलालेखों के अनुसार, मंदिर का निर्माण कल्याण चालुक्य वंश के प्रसिद्ध सम्राट विक्रमादित्य-4 के शासनकाल के दौरान हुआ था। मंदिर के आंतरिक और बाहरी सतहों को सुंदर मूर्तिकला आकृतियों से सजाया गया है। मंदिर के बाहरी हिस्से पर आकृतियाँ सालभंजिका या मंदाकिनी शैली की मूर्तिकला हैं। जलासांगवी मंदिर की मूर्तियों ने बाद के होयसल युग के मंदिरों जैसे किचेन्नाकेशव मंदिर बेलूर, चेन्नाकेशव मंदिर सोमनाथपुरा, केदारेश्वर मंदिर हलेबिदु के लिए प्रेरणा का काम किया।

अब खुले जंगल में विचरण करेंगे 5 चीते

प्रधानमंत्री ने दो चीता छोड़कर एक तरह से वन्य जीवन में चीतों की पुन : बसावट का नया काम चालू किया था

श्योपुर (नप्र)। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 5 चीतों को खुले जंगल में रिलीज किया। इनमें दो वयस्क मादा चीते आशा और धीरा के साथ ही आशा के तीन शावक शामिल हैं। खास बात यह है कि तीनों शावक कूनो में ही जन्मे हैं।

सीएम ने जब चीते को रिलीज किया तो वह पिंजरे में उल्टी ओर मुंह करके बैठा था। जैसे ही पिंजरे को गेट खुला तो चीता तेजी से पलटकर बाहर निकला। इस दौरान सीएम समेत वहां मौजूद तमाम लोग कुछ पल के लिए डर गए।

पालनपुर कुनो का दिन आज खास है

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि पालनपुर कुनो का दिन आज खास है, पिछले समय यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने दो चीता छोड़कर एक तरह से वन्य जीवन में चीतों की पुनः बसावट का नया काम चालू किया था। आज 5 चीतों को दोबारा छोड़ने का संकल्प हुआ है, जिसमें हमारी एक मादा और उसके साथ तीन बच्चे और दूसरी एक मादा जिसको अलग से छोड़ा, धीरा और आशा यह दो मादा और उनके बच्चों के साथ हुआ है। चीतों से जंगल आबाद हुआ है, परमात्मा करे यह और अच्छे से बढ़े, शासकीय स्तर से जो जो प्रबंध किया वैसे भी वह सब कुछ कर रहे हैं, आने वाले समय में पर्यटकों से लेकर और कई सारे सेक्टरों में और अलग नाम से जाना जाएगा। इसको लेकर मेरी ओर से बधाई।

खुले जंगल में अब तक 7 चीते छोड़े गए-कूनो नेशनल पार्क के डीएफओ थिरुकुरल ने बताया कि दिसंबर 2024 में दो चीते अग्नि और वायु को रिलीज किया गया था। जो वर्तमान में पार्क की सीमा में स्वतंत्र रूप से विचरण कर रहे हैं। इसके बाद 5 फरवरी 2025 को 5 चीते छोड़े गए। इस नई रिलीज के साथ अब कूनो में खुले जंगल में विचरण करने वाले चीतों की कुल संख्या 7 हो गई है।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर चीता वीरा के नवजात शावकों के स्वास्थ्य की भी जानकारी अधिकारियों से ली है।

अब तक 100 हेक्टेयर बाड़े में थे चीते-खुले जंगल में चीतों को छोड़े जाने का यह कदम कूनो में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। अब तक ये चीते 100 हेक्टेयर के बाड़े में सीमित थे, लेकिन अब पर्यटकों को खुले जंगल में चीतों का दीदार करने का अवसर मिलेगा।

इससे न केवल पार्क में पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी होगी, बल्कि चीतों के लिए भी प्राकृतिक वातावरण में रहने का बेहतर अवसर मिलेगा।

बता दें कि कूनो नेशनल पार्क में आशा वह पहली मां बनी है, जिससे तीन नर चीते जन्मे हैं और तीनों खुले जंगल में छोड़े गए हैं। बता दें कि आशा ने इन चीतों को एक जनवरी 2024 में कूनो नेशनल पार्क में जन्म दिया था, जिसका पार्क प्रबंधन को 2 जनवरी को पता चला था। चार महीने मां के साथ ही रहेंगे तीनों शावक कूनो नेशनल पार्क में आशा के साथ जिन तीन शावकों को छोड़ा गया है, वह अगले तीन महीने मां के साथ ही रहेंगे और शिकार करेंगे। पार्क प्रबंधन ने इन्हें खुले जंगल में छोड़े जाने के दौरान इनकी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा है।

मॉनिटरिंग के लिए दो-दो टीमें रहेंगी साथ-आशा और उसके तीन शावकों की मॉनिटरिंग के लिए दो दल रहेंगे। जो उनकी मॉनिटरिंग करेंगे, ताकि इन चीतों की एक एक पल की जानकारी मिल सके। दल में जो लोग शामिल रहेंगे, उनकी ड्यूटी बीच बीच में बदलती रहेगी।

डॉ विनोद भंडारी को मातृशोक

इंदौर। आजीवन शिक्षा के संकल्पों के साथ परमार्थ के क्षेत्र में सक्रिय रहीं श्रीअरविंदों मेडिकल कॉलेज के संस्थापक डॉ.विनोद भंडारी की मातुश्री श्रीमती उषा भंडारी का बुधवार 5 फरवरी को 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वो लंबे समय से बीमार थीं। वो इतिहास की व्याख्याता थीं और कोई चालीस साल तक वो इस पद पर कार्यरत रहीं। श्रीमती उषा भंडारी इंदौर के

शारदा उच्चतर माध्यमिक विद्धालय, मालव कन्या विद्धालय जैसे प्रतिष्ठित स्कूलों में अध्यापन किया। वो उन आदर्शवादी शिक्षिकाओं में शुमार होती थीं, जिनके लिए अध्यापन एक मिशन था। शिक्षा के प्रति उनका रूझान का ही परिणाम था कि उनकी आने वाली पीढ़ी में उन्होने डॉक्टर के रूप में तैयार किया। उनकी मान्यता थी कि शिक्षा के अलावा डॉक्टरी ही मात्र ऐसी विधा है, जिसमें समाज के लिए काम किया जा सकता है। उनकी उन्हीं मान्यताओं का प्रतिफल है कि उनके परिवार के सभी सदस्य आज चिकित्सा व्यवसाय में सक्रिय हैं और और देश के ख्यातिप्राप्त चिकित्सकों में शुमार होते हैं। डॉ विनोद भंडारी व्दारा स्थापित श्रीअरविंदो मेडिकल कॉलेज की सथापना के पृष्ठभूमि में उनकी प्रेरणा का महती योगदान रहा है। शिक्षिका रूप मे जीवन व्यतीत करने वाली श्रीमती उषा भंडारी ने मेडिकल छात्रों के अध्ययन के लिए मृत्यु उपरांत देहदान का संकल्प लिया था। उनके संकल्पों के मद्देनजर उनके परिवार ने श्रीअरविंदो मेडिकल कॉलेज को उनकी देह दान करने का निर्णय लिया है। देहदान के पूर्व मेडिकल कॉलेज के परिसर में उनकी देह को अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। 6 फरवरी को प्रातः 9 से 11 बजे तक श्रीअरविंद कॉलेज के परिसस में अंतिम दर्शन के बाद देहदान की औपचारिकताए पूरी की जाएगीं। उल्लेखनीय है श्रीमती उषा भंडारी के पति स्वर्गीय सैतानमलजी भंडारी ने भी अपना शरीर मेडिकल छात्रो की शिक्षा के लिए अर्पित किया था। अपने पति के देहदान की प्रतिज्ञा के अनुसरण में ही श्रीमती उषा भंडारी ने भी यह संकल्प लिया था।

आईएमआर, एमएमआर में सुधार के लिये फोकस्ड एप्रोच से करें कार्य : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा की

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि सरकार प्रदेश के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने मंत्रालय में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने चिकित्सकीय स्टाफ की भर्ती प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति, अधोसंरचनात्मक विकास कार्य, मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं और प्रदेश के स्वास्थ्य मानकों में सुधार के लिए उठाए जा रहे कदमों पर विस्तृत समीक्षा कर दिशा निर्देश दिये।

50 प्रतिशत सीएचसी का एफआरयू में किया जायेगा उन्नयन- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि चिकित्सक एवं सहायक चिकित्सकीय स्टॉफ की भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति भी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि अगले वर्ष तक प्रदेश के 50 प्रतिशत सीएचसी को एफआरयू में उन्नयन किया जाना है। इसके लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये।

अधोसंरचनात्मक विकास कार्यो की करें रियल-टाइम मॉनिटरिंग- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अधोसंरचनात्मक विकास कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा के लिए विशेष निगरानी तंत्र स्थापित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग से परियोजनाओं की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जा सकेगी।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान की समीक्षा की- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के जिन जिलों में स्वास्थ्य मानकों की स्थिति ठीक नहीं है, वहां स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति सुधारने के लिए कारकों का गहन विश्लेषण किया जाए और विशेष प्रयास किए जाएं। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि 9 और 25 तारीख़ को आयोजित होने वाले एएनसी जांच दिवस के प्रति व्यापक जागरूकता का प्रसार किया जाए जिससे अधिक से अधिक गर्भवती महिलाएं इसका लाभ उठा सकें।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गर्भवती महिलाओं की गर्भ-धारण से प्रसव पूर्व तक सभी अनिवार्य जांचों को सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि समय पर सभी आवश्यक जांचें न केवल सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करेंगी बल्कि शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर में भी कमी आयेगी। उन्होंने कहा कि हाई रिस्क प्रेग्नेंसी का समय पर चिन्हांकन कर आवश्यक चिकित्सा व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। इसके लिए स्वास्थ्य केंद्रों में विशेष निगरानी प्रणाली लागू की जाए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिये कि शिशु और मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के लिए फोकस्ड एप्रोच अपनाएं। स्वास्थ्य मानको की स्थिति जिन जिलों में ठीक नहीं है वहाँ कारकों को चिन्हांकित करके विशेष प्रयास किये जायें। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इन जिलों में नियमित दौरा कर जमीनी स्तर पर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त श्री तरुण राठी, संचालक श्री प्रवीण सिंह अढ़ायच, मिशन संचालक एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना, संचालक श्री दिनेश श्रीवास्तव सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

टीचर के पास 8 करोड़ की प्रॉपर्टी मिली

शिवपुरी में ईओडब्ल्यू को 52 प्लॉट, 21 दुकानों के दस्तावेज मिले, थाने की जमीन पर दावा किया था

शिवपुरी/जबलपुर (नप्र)। मध्यप्रदेश में ईओडब्ल्यू और लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार (5 फरवरी) को आय से अधिक संपत्ति की शिकायत पर दो शिक्षकों पर कार्रवाई की। ईओडब्ल्यू की टीम ने शिवपुरी जिले के भौंती में प्राथमिक सहायक शिक्षक सुरेश सिंह भदौरिया के घर छापेमारी की। कार्रवाई में भदौरिया और उनके परिजन के नाम पर 8 करोड़ की संपत्ति का खुलासा हुआ है।

ईओडब्ल्यू अधिकारियों ने बताया कि इसमें दुकानें, घर, कार, सोना-चांदी, ट्रक-ट्रैक्टर और भी अन्य संपत्ति शामिल है। भदौरिया भौंती थाने की जमीन पर कब्जे का केस तीन महीने पहले ही हारे हैं। उन्होंने जमीन को अपना बताते हुए कोर्ट में दावा किया था।

सहायक शिक्षक भदौरिया के घर से छापे में टीम को एक रिहाइशी मकान और 11 दुकानें (अनुमानित कीमत- 1 करोड़ 70 लाख रुपए), पिछोर रोड पर 10 दुकानें (अनुमानित कीमत 1 करोड़ रुपए), 52 प्लॉट से संबंधित रजिस्ट्री (अनुमानित कीमत- 5 करोड़ रुपए) के बारे में पता चला है।

घर से 12 बैंक खातों की पासबुक मिली- ईओडब्ल्यू के मुताबिक, सुरेश सिंह भदौरिया ने अपने सर्विस पीरियड में लगभग 38 लाख 4 हजार रुपए वेतन के रूप में कमाए हैं। लेकिन, छापे में मिली संपत्तियों की अनुमानित कीमत 8 करोड़ 36 लाख 32 हजार 340 रुपए है।

मां को बचाने आए 12 साल के बच्चे की हत्या

आरोपी ने चाकू से कई वार किए,पत्नी को गाली देने पर महिला ने रोका था

अशोकनगर (नप्र)। अशोकनगर के चंदेरी में युवक ने 12 साल के बच्चे की चाकू मारकर हत्या कर दी। युवक पत्नी को लेने ससुराल आया था। घर के बाहर दोनों में विवाद हो गया। पड़ोस की महिला ने युवक को गाली देने से मना किया तो उसने चाकू से हमला कर दिया। महिला का बेटा बचाने आया तो उसे मौत के घाट उतार दिया।

घटना मंगलवार देर रात की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। चंदेरी थाना प्रभारी मनीष जादौन ने बताया कि अकोदिया गांव के आनंद रैकवार (20) की चंदेरी में ससुराल है। उसकी पत्नी सोनम रैकवार कुछ समय से मायके में थी। वह ससुराल नहीं जाना चाहती थी। मंगलवार को आनंद उसे लेने आया था।घटना के बाद ससुराल पक्ष के लोगों ने आरोपी की पिटाई कर दी। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

गाली-गलौज करने से मना करने पर किया हमला- रात करीब 9.30 बजे आनंद ने सोनम से साथ चलने के लिए कहा तो उसने मना कर दिया। इससे नाराज होकर आनंद गाली गलौज करने लगा। सोनम के पड़ोस में रहने वाली कलावती ने गाली देने से मना किया। इससे आक्रोशित होकर आनंद ने चाकू निकाल लिया। 12 साल का अरविंद अपनी मां को बचाने के लिए दौड़ा। उसे देखते ही आनंद ने चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। अरविंद की मौके पर ही मौत हो गई।

नशे में बाहर बैठकर गालियां दे रहा था आरोपी- घायल कलावती को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कलावती ने बताया कि आरोपी आनंद शराब के नशे में घर के बाहर चबूतरे पर बैठकर ससुराल पक्ष को गालियां दे रहा था। ऐसा करने से मना किया तो उसने हमला कर दिया।

डेढ़ साल पहले दोनों ने किया था प्रेम विवाह- आरोपी आनंद रैकवार के पड़ोसी ने बताया, वह कोई काम नहीं करता है। डेढ़ साल पहले उसने सोनम से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद वह घर पर अक्सर शराब के नशे में आकर पत्नी से विवाद करता था। करीब पांच महीने से सोनम मायके में रह रही है। वह 8 महीने की गर्भवती है। इससे पहले भी आनंद ने ससुराल आकर विवाद किया था।

म.प्र.गुना-गुजरात बस हादसे में 5 की मौत, 14 घायल

सिंधिया ने वीडियो कॉल कर जाना हाल, मृतकों के परिजनों को मिलेगी 4-4 लाख की सहायता

शिवपुरी (नप्र)। गुजरात के सापुतारा घाट के पास हुए बस हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई और 14 लोग घायल हो गए। घटना 2 फरवरी को हुई, जब गुना संसदीय क्षेत्र के श्रद्धालु धार्मिक यात्रा पर जा रहे थे। हादसे की जानकारी मिलते ही केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को घायलों से वीडियो कॉल पर बातचीत कर उनका हालचाल जाना और हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

सिंधिया ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से संपर्क कर पीड़ित परिवारों की मदद का आग्रह किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारों को 4-4 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को 1-1 लाख रुपए और सामान्य घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की।

तुम चिंता मत करो, मैं हूं तुम्हारे साथ हूं

घायलों ने मंत्री सिंधिया को तुरंत कार्रवाई करने और समय पर इलाज की व्यवस्था कराने के लिए धन्यवाद दिया। सिंधिया ने घायलों से बात करते हुए कहा, तुम चिंता मत करो, मैं हूं तुम्हारे साथ। मंत्री ने अपने आगामी संसदीय क्षेत्र के दौरे में दुर्घटना में मृत हुए लोगों के परिवारों से मिलने और उन्हें सांत्वना देने का निर्णय लिया है।

म.प्र.में 2 दिन से बारिश, अब पारा भी लुढ़केगा

भोपाल, इंदौर-उज्जैन में आज से तापमान में आएगी गिरावट ; ग्वालियर-चंबल में बादल रहेंगे

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में 2 दिन से बारिश वाला मौसम है। नीमच में बूंदाबांदी के बाद ग्वालियर-चंबल में आंधी और हल्की बारिश का दौर रहा। बाकी जिलों में मौसम साफ रहा और धूप खिली रही। मौसम विभाग के मुताबिक, बुधवार-गुरुवार से दिन-रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट हो सकती है।

भोपाल, इंदौर-उज्जैन में पारा लुढ़केगा। वहीं, ग्वालियर और चंबल संभाग के जिलों में बादल छाए रह सकते हैं। बाकी जिलों में भी तापमान में गिरावट देखने को मिल सकती है। इससे पहले मंगलवार को ग्वालियर, मंदसौर, नीमच, भिंड, दतिया, मुरैना और श्योपुर में कहीं-कहीं गरज-चमक की स्थिति बनी रही।

इससे दिन के तापमान में भी गिरावट देखने को मिली। हालांकि, मंडला में तापमान 34.7 डिग्री, सिवनी में

33.4 डिग्री, जबलपुर में 33.3 डिग्री, दमोह में 33 डिग्री रहा। भोपाल में 31.7 डिग्री, इंदौर में 30.6 डिग्री, ग्वालियर में 26.1 डिग्री और उज्जैन में पारा 30 डिग्री पर आ गया।

सुबह और रात में ही ठंड का असर रहेगा- मौसम विभाग के मुताबिक, फरवरी में सुबह और रात में ही ठंड का असर देखने को मिलेगा। दिन में तेज धूप खिली रहेगी, जिससे दिन गर्म ही रहेंगे। 20 फरवरी से यह असर और कम हो जाएगा।

12-13 फरवरी को बारिश के असर- मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 8 फरवरी को वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव होने की संभावना है। इस वजह से प्रदेश में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया, प्रदेश के कुछ हिस्से में पहले सप्ताह में बादल छाए रहेंगे। 12, 13 और 14 फरवरी को बारिश होने का अनुमान है। 20 फरवरी के बाद ठंड का असर और कम होगा। जिससे दिन-रात दोनों ही तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। अभी दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन एक्टिव है।

मंत्रालय घेरने नहीं गए किसान, धरना खत्म

डिप्टी सीएम ने कहा- सरकार खुद किसानों के पास आ गई, देवड़ा को सौंपा आवेदनों से भरा झोला

भोपाल (नप्र)। बिजली के बढ़े रेट और फसल के कम दाम जैसे कई मुद्दों पर भोपाल पहुंचे प्रदेशभर के किसानों ने धरना खत्म कर दिया है। किसान मंत्रालय का घेराव करने वाले थे, लेकिन इससे पहले ही डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा धरनास्थल पर पहुंच गए।

डिप्टी सीएम ने कहा, मुझे पता लगा कि किसान वल्लभ भवन आ रहे हैं तो सरकार खुद उनके पास आ गई। डिप्टी सीएम ने किसानों की सारी मांगों को पूरा करने की बात कही। इसके बाद किसानों ने शिकायती आवेदनों से भरा झोला डिप्टी सीएम को सौंप दिया।

देवड़ा बोले- सरकार ने हमेशा किसानों के हित में निर्णय किए- डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा, प्रदेश सरकार ने समय-समय पर किसानों के हित में निर्णय लिए हैं। जो भी शिकायती ज्ञापन मिले हैं, उनका जल्द समाधान किया जाएगा। किसान हमारे हैं, हम आपसे अलग नहीं हैं। हम आपके साथ खड़े हैं।% इसके बाद किसानों ने शिकायती

आवेदनों से भरा झोला डिप्टी सीएम को सौंप दिया।

सरकार अच्छे रेट के नाम पर झुनझुना पकड़ा देती है

भारतीय किसान संघ के बैनर तले जुटे किसान लिंक रोड नंबर-1 स्थित ऑफिस के सामने धरना दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार फसलों के अच्छे रेट के नाम पर हर बार झुनझुना पकड़ा देती है। संघ के मध्य भारत प्रांत अध्यक्ष सर्वज्ञ दीवान ने कहा, प्रदेश में किसान राजस्व विभाग के फौती नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, बटांकन, नक्शा सुधार जैसे कार्यों में की जा रही लूट से परेशान हो गया है।

पटवारी से एक चिड़िया भी बनवाना हो तो रिश्वत देनी पड़ती है- हरदा से आए किसान ने कहा, मेरे पास सात एकड़ जमीन है। सागौन लगाया था, उसे काटने की अनुमति नहीं मिल रही है। सूर्या कलेक्शन में पांच साल से रुपए जमा कर रह हैं। इसकी रसीदें भी हैं, लेकिन अब पैसा नहीं मिल रहा है। फसलों के रेट अच्छे नहीं मिलते। सभी काम रिश्वत देने के बाद होते हैं। पटवारी से एक चिड़िया बनवाना हो तो रिश्वत देना पड़ता है। इसमें तो सब बड़े-बड़े लोग भी शामिल हैं।

किसान का कहना है कि जब तक वोट नहीं डलते तब तक सब बात सुनते हैं। अब वोट देकर राजा बना दिया, तो उन्होंने हमें अपने हाल पर छोड़ दिया। ऐसे ही काम हो रहे होते तो बच्चों को वहां छोड़कर यहां थोड़े ही आते। हमें इसमें मजा थोड़े ही आता है।